वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 193 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 26 सितंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

बिहार चुनावों का बिगुल बजा, 243 विधानसभा सीटों पर तीन चरणों में होगा मतदान

कोरोना काल में होगा पहला बड़ा चुनाव, 10 नवम्बर को आएगा रिजल्ट

(खुशबू पाण्डेय)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा के होन वाले चुनाव की तारीखों का ऐलान आज यहां कर दिया। 243 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 3 चरणों में होगा। रिजल्ट सभी का एकसाथ 10 नवम्बर को घोषित किया जाएगा।

पहले चरण में 16 जिलों की 71 सीटों पर मतदान 28 अक्टूबर को होगा। जबकि दूसरे चरण में 17 जिलों की 94 सीटों पर वोटिंग 3 नवंबर को होगी। इसी प्रकार तीसरे चरण का चुनाव 7 नवम्बर को होगा। इस चरण में 15 जिलों 78 सीटे हैं जहां पर होगा मतदान होगा। सभी सीटों पर मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होंगे। कोरोना के चलते चुनाव आयोग ने इस बार मतदान का समय 1 घंटे बढ़ा दिया है। कोविड काल में हो रहे देश के पहले चुनाव में कोविड मरीज भी वोट डाल पाएंगे, उनके लिए सबसे आखिर में इंतजाम किया गया है। बिहार में मतदाता 7.79 करोड़ मतदाता है, इसमें महिला 3.39 करोड़ महिला मतदाता हैं।

केंद्रीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने शुक्रवार को दोपहर बिहार चुनाव कार्यक्रम का ऐलान किया। इसके साथ ही बिहार में कोड आफ कंडक्ट लागू हो गया है। पहले चरण के लिए एक अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा के मुताबिक कोरोना काल में बिहार चुनाव के मद्देनजर काफी तैयारी की गई है। एक बूथ पर एक हजार मतदाता होंगे, पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की संख्या घटाई गई है। कोरोना काल में सबसे बड़ा

चुनाव है। 6 लाख पीपीई किट, 46 लाख मास्क का इस्तेमाल होगा। 6 लाख फेस शिल्ड, 23 लाख ग्लव्स, 47 लाख हैंड सेनेटाइजर की व्यवस्था की गई है। 7 फरवरी 2020 को मतदाता सूची जारी हुई। सीईसी के मुताबिक इस बार मतदान का समय बढ़ाया गया है। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने कहा कि ये चुनाव बेहद असाधारण परिस्थितियों में कराए जा रहे हैं और इन परिस्थितयों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के साथ साथ स्वास्थ्य संबंधी प्रोटोकोल के संबंध में व्यापक इंतजाम किए गए हैं। चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। एक पोलिंग बूथ पर वोटरों की संख्या 1500 को घटाकर 1000 करने का फैसला किया है। नक्सल प्रभावित इलाकों को छोड़ दिया जाए तो बाकि के इलाकों में मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक तय किया गया है।

कोविड मरीज भी डालेंगे वोट, होगी व्यवस्था

कोरोना काल में नए सुरक्षा मानकों के साथ होंगे चुनाव। वोटिंग के अंतिम समय में कोरोना मरीज भी डाल सकेंगे वोट। सीईसी ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण क्वारंटाइन में रहने वाले मतदाता या तो पोस्टल बैलट से मतदान कर सकते हैं या फिर वे अंतिम चरण के चुनाव के दिन अपने अपने मतदान केन्द्रों में स्वास्थ्य अधिकारियों की देख रेख में मतदान करेंगे।

70 देशों में चुनावों को टाल दिया गयाः सीईसी

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बताया कि कोरोना संकट की वजह से दुनिया के 70 देशों में चुनावों को टाल दिया गया। कोरोना संकट के बीच बिहार और उपचुनावों को लेकर लगातार मंथन किया गया। बिहार चुनाव देश के सबसे बड़े राज्यों में है और ये चुनाव कोरोना काल का सबसे बड़ा चुनाव है। राज्य में 29 नवंबर तक विधानसभा का कार्यकाल है। इस बार पोलिंग स्टेशन की संख्या और मैनपावर को बढ़ाया गया है। बिहार के कई दलों ने चिंता जताई थी कि कोरोना काल में चुनाव की तारीखों को आगे बढ़ाया जाए। मुख्य आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बताया कि कोरोना काल में लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। चुनाव आयोग इसके लिए पूरी तरह से तैयार है।

महत्वपूर्ण तिथियां

पहला चरण : 28 अक्टूबर 2020-16 जिलों की 71 सीटों पर मतदान
दूसरा चरण : 03 नवंबर 2020-17 जिलों की 94 सीटों पर मतदान
तीसरा चरण : 07 नवंबर 2020-15 जिलों की 78 सीटों पर मतदान
चुनाव के नतीजे 10 नवंबर 2020

कोरोना से बचने की तैयारियां

चुनाव में 6 लाख पीपीई किट राज्य चुनाव आयोग को दी जाएंगी
46 लाख मास्क का इस्तेमाल भी होगा
7 लाख हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल किया जाएगा
6 लाख फेस शील्ड को उपयोग में लाया जाएगा

सियासी दलों के लिए खींची लक्ष्मण रेखा

केंद्रीय चुनाव आयोग ने सियासी दलों के लिए इस चुनाव में लक्ष्मण रेखा खींच दी है। आयोग के मुताबिक राजनीतिक दल के कार्यकर्ता घरघर जाकर चुनाव प्रचार कर सकेंगे, हालांकि, उनकी संख्या पांच से ज्यादा नहीं होगी। उम्मीदवार को नामांकन के दौरान दो वाहन ही ले जाने की इजाजत होगी। नामांकन पत्र ऑनलाइन भी भरे जा सकते हैं। चुनाव प्रचार और रैलियां सिर्फ वर्चुअल माध्यम से ही होगा।

राहुल ने किसानों से किया डिजिटल संवाद बोलेः मोदी सरकार पर रत्ती भर भरोसा नहीं

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 25 सितंबर । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसान संगठनों द्वारा आहूत भारत बंद' का समर्थन करते हुए शुक्रवार को विभिन्न राज्यों के कई किसानों के साथ डिजिटल संवाद किया और दावा किया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर कृषकों को रत्ती भर भरोसा नहीं है।

उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि संसद से पारित कृषि संबंधी विधेयक देश के किसानों को गुलाम बना देंगे। किसानों से बातचीत का वीडियो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने ट्वीट किया, किसानों से बातचीत करके एक बात साफ़ हो गयी कि उन्हें मोदी सरकार पर रत्ती भर भी भरोसा नहीं है।

किसान भाइयों की बुलंद आवाज़ के साथ हम सब की आवाज़ भी जुड़ी है और आज पूरा देश मिलकर इन कृषि क़ानूनों का विरोध करता है।'' कांग्रेस नेता के साथ डिजिटल संवाद में महाराष्ट्र, बिहार, हरियाणा और कुछ अन्य राज्यों के किसान शामिल हुए। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक अन्य ट्वीट में दावा किया, एक त्रुटिपूर्ण

जीएसटी ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को बर्बाद कर दिया।

नए कृषि कानून हमारे किसानों को गुलाम बना देंगे।'' पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी किसानों के प्रदर्शन का समर्थन किया और आरोप लगाया कि ये कृषि विधेयक ईस्ट इंडिया कंपनी राज' की याद दिलाते हैं। प्रियंका ने ट्वीट किया, किसानों से एमएसपी छीन ली जाएगी। उन्हें ठेके पर खेती के जरिए खरबपतियों का गुलाम बनने पर मजबूर किया जाएगा। न दाम मिलेगा, न सम्मान। किसान अपने ही खेत पर मजदूर बन जाएगा।''

उन्होंने दावा किया, भाजपा के कृषि विधेयक ईस्ट इंडिया कंपनी राज की याद दिलाते हैं। हम ये अन्याय नहीं होने देंगे।'' भारत बंद' का समर्थन करते हुए कांग्रेस महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, पेट में अंगारे और मन में तूफ़ान लिए देश का अन्नदाता किसान और भाग्यविधाता खेत मज़दूर भारत बंद करने को मजबूर है। अहंकारी मोदी सरकार को न उसके मन की व्यथा दिखती, न उसकी आत्मा की पीड़ा महसूस होती।''

उन्होंने कहा, आइये, भारत बंद में किसानमज़दूर के साथ खड़े हों, संघर्ष का संकल्प लें।'' गौरतलब है कि कृषि विधेयकों के विरोध में कई किसान संगठनों ने शुक्रवार को भारत बंद' आहूत किया। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र में संसद ने कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक2020 और कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक2020 को मंजूरी दी।

किसान विधेयक का मिशन लेकर मैदान में उतरे भाजपा कार्यकर्ता

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीजेपी व जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मजयंती के मौके पर आज यहां देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों से बात की। इस मौके पर पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जुड़े तो सभी प्रदेश कार्यालय और पार्टी पदाधिकारी भी इस कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री, पार्टी के सांसद, विधायक भी इस कार्यक्रम से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने किसान विधेयक को लेकर विपक्ष के विरोध की आलोचना की। साथ ही अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से किसानों के बीच जाकर किसान विधेयक पर उनके संदेहों को दूर करने की सलाह दी। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के बाद से ही किसानों और मजदूरों को उलझे हुए वादे और कानून मिले

हैं, जबकि उनकी सरकार ने बड़े सुधार लाने में अहम योगदान दिया है।

पीएम मोदी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को ग्राउंड पर किसानों से संपर्क करना चाहिए और उन्हें नए कृषि सुधारों की अहमियत और जानकारियों को आसान शब्दों में समझाना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि ये बिल उन्हें कैसे सशक्त करेंगे। जमीन पर हमारा संपर्क वर्चुअल दुनिया में फैले प्रोपगैंडा का मुकाबला करेगा। मोदी ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा, किसानों से हमेशा झूठ बोलने वाले कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ की वजह से किसानों को भ्रमित करने में लगे हैं, ये वही लोग हैं जो किसानों के कंधे पर बंदूक रखकर चला रहे हैं, और अफवाहें फैला रहे हैं। किसानों को ऐसी किसी भी अफवाह से बचाना भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। हमें किसान के भविष्य को उज्ज्वल बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसान और श्रमिक के नाम पर देश में, राज्यों में अनेकों बार सरकारें बनीं लेकिन उन्हें मिला क्या? सिर्फ वादों और कानूनों का एक उलझा हुआ जाल। एक ऐसा जाल, जिसको ना तो किसान समझ पाता था और ना ही श्रमिक।

किसानों को ऐसे कानूनों में उलझाकर रखा गया, जिसके कारण वो अपनी ही उपज को, अपने मन मुताबिक बेच भी नहीं सकता था। नतीजा ये हुआ कि उपज बढने के बावजूद किसानों की आमदनी उतनी नहीं बढ़ी। हां, उन पर कर्ज जरूर बढ़ता गया,। पीएम ने कहा कि किसानों को कर्ज लेने की मजबूरी से बाहर निकालने के लिए हमने एक अहम काम पूरी ताकत से शुरू किया है।

ड्रग्स चैट वाले व्हाट्सएप Group की एडमिन थीं दीपिका

(विशेष संवाददाता)

मुंबई । अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग एंगल की जांच के मामले में फंसी दीपिका पादुकोण को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। खबर है कि दीपिका पादुकोण उस व्हाट्सएप ग्रुप की एडमिन थीं जिस पर ड्रग्स को लेकर मांग की जाती थी।

खुद दीपिका ने साल 2017 में उस ग्रुप पर ही ड्रग्स की मांग की थी। बताया जा रहा है कि उस ग्रुप पर जया शाह और करिश्मा भी मौजूद थीं। ऐसे में अब दीपिका की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

नारकोटिक्स ब्यूरो ने व्हाट्सएप चैट के आधार पर दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर, रकुल

प्रीत सिंह जैसी अदाकाराओं को समन भेजे। शुक्रवार कोरकुलप्रीत सिंह ने एनसीबी के सामने कबूल किया है कि उन्होंने साल 2018 में रिया के साथ ड्रग्स चैट की थी। उन्होंने माना है कि रिया चक्रवर्ती के साथ उनकी ड्रग्स चैट हुई थी।

रकुलप्रीत ने एनसीबी को बताया कि रिया चैट में अपना सामान मंगवा रही थीं। रकुलप्रीत ने बताया कि रिया का सामान (ड्रग्स) मेरे घर था। फिलहाल रकुलप्रीत ने ड्रग्स लेने की बात से इनकार कर दिया है। अब शनिवार को एनसीबी के सामने दीपिका पादुकोण पेश होंगी और उनसे पूछताछ की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रग चैट मामले में फंसी दीपिका पादुकोण के लिए मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। जिस वॉट्सऐप ग्रुप में 2017 के ड्रग चैट सामने आए हैं, दीपिका पादुकोण उस ग्रुप की एडमिन थीं।

खुद दीपिका ने साल 2017 में उस ग्रुप पर करिश्मा प्रकाश से यह लिखगर ड्रग्स की मांग की थी कि माल है क्या? दिलचस्प बात यह है कि उस ग्रुप में जया साहा और करिश्मा भी थीं। जया साहा भी ग्रुप की एडमिन हैं।

कोरोना और डेंगू से जूझ रहे मनीष सिसोदिया को दी गई प्लाज्मा थेरेपी

(विशेष संवाददाता)

नईदिल्ली । कोरोना और डेंगू से पीड़ित दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को प्लाज्मा थेरेपी दी गई। अधिकारियों ने बताया की अब उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। सिसोदिया का मैक्स अस्पताल, साकेत में इलाज चल रहा है।

इससे पहले वे एलएनजेपी अस्पातल में भर्ती थी। डिप्टी सीएम सिसोदिया को 14 सितंबर को कोरोना संक्रमित पाया गया था। इसके बाद वे होम आइसोलेशन में थे। बाद

में तबीयत बिगड़ने पर बुधवार को उन्हें इलाज के लिए एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां पर जांच के दौरान गुरुवार को उनमें डेंगू की भी पुष्टि हुई। गुरुवार शाम को उनके ब्लड प्लेटलेट्स घटने और ऑक्सीजन की मात्रा कम होने के कारण मैक्स अस्पताल ले जाया गया था। वे यहां पर आईसीयू में इलाजरत हैं। कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के कारण सिसोदिया 14 सितंबर को दिल्ली विधानसभा के एक दिवसीय सत्र में हिस्सा नहीं ले पाए थे। सिसोदिया के पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी संक्रमित हो गए थे।

स्थिति बिगड़ने पर जैन को भी प्लाज्मा थेरेपी दी गई थी। स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया और अब वे नियमित रूप से अपना काम कर रहे हैं।

देश में कोरोना केस 58 लाख के पार

24 घंटे में मिले 86 हजार से ज्यादा मरीज, 1141 मौतें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली , 25 सितम्बर। भारत ही एक मात्र देश है जहां कोरोना महामारी सबसे तेजी से बढ़ रही है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा संक्रमितों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यही नहीं सबसे ज्यादा मौत के मामले में तीसरे नंबर पर है। साथ ही भारत ऐसा दूसरा देश है जहां सबसे ज्यादा एक्टिव केस हैं। हालांकि कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों की लिस्ट में अमेरिका पहले पायदान पर है।

भारत में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या 58 लाख 18 हजार 571 हो गई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 86 हजार 52 मामले सामने आए हैं। गुरुवार को 1141 लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या अब 92 हजार 290 हो गई है। बीते दिन 77 हजार 488

लोग ठीक हुए हैं। छह दिन के बाद संक्रमितों की संख्या रिकवर मरीजों से बढ़ी है। इसके साथ ही अब तक 47 लाख 56 हजार 165 लोग ठीक हो चुके हैं। अभी 9 लाख 70 हजार 116 एक्टिव केस हैं। देश में बीते छह दिन से कोरोना के आंकड़े राहत दे रहे हैं। इस दौरान नए केस से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। अब 9।66 लाख मरीज ऐसे हैं, जिनका इलाज चल रहा है। 17 सितंबर को यह आंकड़ा सबसे ज्यादा 10।17 लाख था, यानी बीते छह दिन में 51 हजार एक्टिव केस कम हुए हैं। 12 सितंबर को सबसे ज्यादा 24 हजार एक्टिव केस बढ़े थे। अमेरिका, ब्राजील जैसे देशों में कोरोना मामले और मौत के आंकड़ों में कमी आई है। भारत ही एक मात्र देश है जहां कोरोना महामारी सबसे तेजी से बढ़ रही है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा संक्रमितों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यही नहीं सबसे ज्यादा मौत के मामले में तीसरे नंबर पर है। साथ ही भारत ऐसा दूसरा देश है जहां सबसे ज्यादा एक्टिव केस हैं। हालांकि कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों की लिस्ट में अमेरिका पहले पायदान पर है। यहां 71 लाख से ज्यादा लोग संक्रमण के शिकार हो चुके हैं।

महाराष्ट्र में गुरुवार को 19 हजार 164 संक्रमित मिले और 17 हजार 184 लोग रिकवर हुए। वहीं, 459 लोगों की मौत हुई। अब तक 12 लाख 82 हजार 963 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 9 लाख 73 हजार 214 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 2 लाख 74 हजार 993 का इलाज चल रहा है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में यहां 3834 नए मामले सामने आए जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,60,623 हो गई। राजधानी में अब कंटेनमेंट जोन की संख्या भी बढ़कर 2000 के पार हो गई है। पिछले 24 घंटे में 36 और मरीजों की मौत होने से यहां मरने वालों का आंकड़ा 5123 हो गया है। राहत की बात यह रही कि पिछले 24 घंटे में 3509 लोग ठीक भी हुए जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 2,24,375 लोग ठीक हो चुके हैं। सक्रिय मरीजों की संख्या फिलहाल 31,125 है।

PM मोदी और जापानी PM के बीच हुई बात, हाई-स्पीड ट्रेन पर चर्चा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जापान के अपने समकक्षीय योशिहिदे सुगा से फोन पर बातचीत की और इस दौरान दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि भारत और जापान के मजबूत संबंध मौजूदा क्षेत्रीय व वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद करेंगे। उन्होंने पिछले कुछ सालों में दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक भागीदारी में हुई प्रगति को और मजबूत करने का इरादा जताया।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में सुगा की नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी और वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का आमंत्रण भी दिया। बयान में कहा गया, दोनों नेता इस बात पर सहमत थे कि पिछले कुछ सालों में भारतजापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक भागीदारी में काफी प्रगति हुई है और उन्होंने आपसी विश्वास और साझा मूल्यों पर

आधारित इस रिश्ते को और मजबूत करने का इरादा जताया। मोदी और सुगा ने इस पर भी सहमति व्यक्त की कि कोविड19 महामारी सहित अन्य वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए दोनों देशों के बीच साझेदारी आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। बयान के मुताबिक, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंदप्रशांत क्षेत्र की आर्थिक संरचना को लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं पर आधारित बनाया जाना चाहिए और इस संदर्भ में उन्होंने भारत, जापान और अन्य समान विचारधारा वाले देशों के बीच सहयोग का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी में हुई प्रगति की सराहना की और इस संदर्भ में कुशल श्रमिकों से संबंधित समझौते की विषय वस्तु को अंतिम रूप देने का स्वागत किया। इस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक कोविड19 महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति में सुधार के बाद सुगा को वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का आमंत्रण दिया।

एक नजर

बैंकों ने एक करोड़ खाताधारकों को डिजिटल भुगतान माध्यमों से जोड़ा

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 'डिजिटल अपनाएं' अभियान शुरू किये जाने के एक महीने में ही करीब एक करोड़ ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के माध्मयों से जोड़ा है। सरकार के 'डिजिटल इंडिया' अभियान के तहत इसकी शुरुआत 15 अगस्त को हुई। इस अभियान का मकसद ग्राहकों को बैंक के डिजिटल चैनल से जोड़ना है। वित्तीय सेवा विभाग ने ट्विटर पर लिखा है, ''वित्तीय सेवा विभाग के डिजिटल अपनाएं अभियान की शानदार शुरुआत रही। सार्वजनक क्षेत्र के बैंकों ने अभियान की शुरूआत के 31 दिनों में ही एक करोड़ खाताधारकों को डिजिटल भुगतान के माध्यमों से जोड़ा....।'' अभियान के तहत बैंकों से प्रत्येक शाखा में कारोबारियों और वित्तीय समावेश से संबंधित खाताधारकों समेत कमसेकम 100 नये ग्राहकों को डिजिटल भुगतान माध्यमों से जोड़ने को कहा गया था। बैंकों को अभियान को प्रोत्साहित करने को लेकर अपनी शाखाओं और बैंक प्रतिनिधियों (बिजनेस कॉरोस्पोंडेन्ट) तथा अन्य को पुरस्कृत एवं सम्मानित करने की भी सलाह दी गयी थी।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाला पिता गिरफ्तार

नई दिल्ली । खजूरी खास इलाके में रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। एक हैवान पिता अपनी 15 वर्षीय मासूम बेटी से दुष्कर्म करता था, जब वह अपनी करतूत से बाज नहीं आया तो बच्ची ने दिल्ली महिला आयोग की महिला पंचायत में पहुंची। वहां उसने पिता की दरिंदगी के बारे में बताया। पंचायत की सदस्यों ने पीड़िता को साथ ले जाकर थाने में पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता अपने परिवार के साथ खजूरी खास थाना क्षेत्र में रहती है। 15 वर्षीय पीड़िता एक सरकारी स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ाई कर रही है। परिवार में मां, पिता व तीन भाई व एक बहन है। आरोपित पिता एक निजी कंपनी में काम करता है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका एक वर्षीय भाई है, जो किसी बीमारी से पीड़ित है। गत जुलाई में उसके भाई की तबीयत अचानक ज्यादा खराब हो गई थी, इलाज के लिए मां उसे अस्पताल लेकर गई थी। घर में उसके भाईबहन सो रहे थे। उसी दौरान उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

कूड़ा उठान ठेके की लड़ाई में वकील और उसके भाई को गोली मारी

नयी दिल्ली । बंधवाड़ी कूड़ा निस्तारण प्लांट में कूड़ा उठाने का ठेका हासिल करने की होड़ में दो गुटों में झगड़ा हो गया। दोनों गुट गांव मांगर के निवासी हैं, जिसमें एक वकील और उसके भाई को गोली लगी। दोनों को एस्कोर्ट्स फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोली मारने का आरोप उम्रकैद की सजायाफ्ता गैंगस्टर मनोज मांगरिया और उसके गुर्गों पर है। गुरुग्राम ग्वाल पहाड़ी चौकी पुलिस मामले की जांच कर रही है। गोली लगने से घायल गांव मांगर निवासी हरिंदर हरसाना जिला अदालत में प्रैक्टिस करते हैं। उन्होंने बताया कि बंधवाड़ी कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट में उसके बड़े भाई मनोज हरसाना ने कूड़ा उठाने का ठेका लिया था। यह बात गैंगस्टर मनोज मांगरिया को बुरी लगी। आरोप है कि मांगरिया ट्रीटमेंट प्लांट में कूड़ा उठाने के ठेके में एकछत्र राज चाहता है। उसने मनोज हरसाना को उसके नीचे काम करने या हफ्ता देने की धमकी दी। हरिंदर हरसाना के मुताबिक शुक्रवार सुबह वह भाई मनोज हरसाना के साथ कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट में मौजूद था। तभी मनोज मांगरिया, ललित, रोहित, योगेश, बीरपाल, अवतार और बबलू सहित अन्य को लेकर मौके पर पहुंचा।

दिल्ली में कोरोना संकट! 24 घंटे में आए 3827 नए केस, 4061 लोग हुए संक्रमण से मुक्त

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । देश की राजधानी में कोरोना वायरस का कहर थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। दिल्ली सरकार के हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली में 3,827 नए कोरोना के मामले दर्ज हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 2,64,450 हो गई है। वहीं एक दिन में 24 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। जबकि 4,061 मरीज ठीक होकर घर लौट गए हैं। बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या कुल 5,147 हो गई। हालांकि राहत की बात ये है कि यहां कोरोना को मात देकर स्वस्थ होने वालों की संख्या 2,28,436 पहुंच गई है। बुलेटिन के अनुसार, राज्य में फिलहाल 30,867 लोगों का संक्रमण का इलाज चल रहा है। वहीं

पिछले 24 घंटे में 59,134 से अधिक नमूनों की जांच की गई है।

इस समय दिल्ली के कोविड डेडिकेटेड अस्पतालों में बेड्स की कुल संख्या 15812 है। जिसमें से 6990 बेड्स भरे हुए हैं और 8822 बेड्स खाली हैं। डेडिकेटेड कोविड केयर सेंटर में कुल 8137 बेड्स हैं जिनमें से 1596 भरे हैं और 5013 खाली हैं। वहीं डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर में कपल 527 बेड्स हैं जिनमें से 358 भरें हैं और 169 खाली हैं। इसके अलावा 18,096 कोरोना मरीज होम आइसोलेशन में रह रहे हैं। वहीं दिल्ली में बीते 24 घंटे में 11,797 आरटीपीसीआर टेस्ट किए गए। 47,337 टेस्ट रैपिड एंटिजन टेस्ट किट द्वारा किए गए। दिल्ली में अब तक कुल 28,15,650 सैंपलों की जांच की जा चुकी है। वहीं प्रति मिलियन पर 1,48,192 का टेस्ट किया जा रहा है। दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की कुल संख्या 2124 है। 24 घंटे में कंट्रोल रूम में कुल 150 कॉल रिसीव किए गए। कोविड एंबुलेंस के लिए 1471 कॉल आई।

दिल्ली में बढ़ते कोरोना संकट के बीच प्राइवेट अस्पतालों में 80 प्रतिशत आईसीयू बेड्स कोविड मरीजों के लिए रिजर्व होंगे या नहीं इस केस में आज हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है।

दिल्ली दंगे को लेकर आरोपपत्र में सनसनीखेज खुलासा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की ओर से दंगा मामलों में दाखिल आरोपपत्र में एक आरोपी ने अपने प्रकटीकरण बयान में खालिस्तान मूवमेंट के तीन समर्थकों और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसीआईएसआई का नाम लिया है। आरोपी अतहर खान द्वारा दिए गए पूरक प्रकटीकरण बयान में पाकिस्तानी आईएसआई और खालिस्तान मूवमेंट के समर्थकों की कथित संलिप्तता उजागर हुई है। खान पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के मुताबिक, इन बयानों का प्रयोग केवल विरोधाभाषों को साबित करने के लिए किया जा सकता है और आपराधिक मामलों में आरोपियों के खिलाफ प्रयोग नहीं किया जा सकता। 25 वर्षीय आरोपी ने कहा कि उसके एक

ISI और खालिस्तान समर्थकों की संलिप्तता सामने आई

सहयोगी रिजवान सिद्दकी ने 10 और 11 फरवरी को उसे व अन्य को कहा था कि उसने खालिस्तान मूवमेंट समर्थक बगीचा सिंह और लवप्रीत सिंह से शाहीन बाग प्रदर्शन स्थल पर मुलाकात की थी, जो भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त है। अतहर खान ने कहा, ÷बगीचा सिंह और लवप्रीत सिंह ने दावा किया कि उसे पाकिस्तानी आईएसआई का समर्थन प्राप्त है और एजेंसी ने यह संदेश भेजा है कि खालिस्तान समर्थकों को सीएए और एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन करना चाहिए। उसने कहा, रिजवान ने हमसे कहा कि इन लोगों (खालिस्तान मूवमेंट समर्थकों) ने दंगों में हमारा समर्थन करने और अपने एक आदमी को प्रदर्शन स्थल पर भेजने का वादा किया है। खान ने अपने बयान में कहा, आठदस दिनों के बाद, एक व्यक्ति जबरजंग सिंह चांदबाग प्रदर्शन स्थल आया और कहा कि उसे बगीचा सिंह ने भेजा है। उसने मंच से सरकार के खिलाफ भाषण भी दिया।

शाहीन बाग की बिलकिस दादी ने कहा, PM मोदी भी मेरे बेटे हैं

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शाहीन बाग में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ लंबे चले विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेकर चर्चा में आईं 82 साल की बिलकिस बानो उर्फ शाहीन बाग की दादी का नाम टाइम मैग्जीन द्वारा 100 सबसे प्रभावशाली वैश्विक लोगों की लिस्ट में शामिल किया है। इस बारे में एएनआई से बात करते हुए दादी ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इस तरीके से सम्मानित किया गया। हालांकि मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी।

बिलकिस बानो के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अभिनेता आयुष्मान खुराना, जीव वैज्ञानिक रविंद्र गुप्ता और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई भी बुधवार को जारी की गई 2020 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में शामिल हैं। इस लिस्ट में वो सभी अग्रणी, कलाकार, नेता, आइकन और सर्वमान्य लोग शामिल हैं, जिनका 2020 में सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है। बिलकिस बानो ने कहा, मैंने केवल कुरान शरीफ पढ़ी है और मैं कभी स्कूल नहीं गई, लेकिन आज मैं बहुत उत्साहित और खुश हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इस सूची में शामिल करने के लिए बधाई देती हूं। वह भी मेरे बेटे हैं। अगर मैंने उन्हें जन्म नहीं दिया तो क्या हुआ? मेरी बहन ने उन्हें जन्म दिया है। मैं उनके लंबी उम्र और खुशी के लिए प्रार्थना करती हूं। बिल्किस दादी, जो दो अन्य दादियों के साथ **NRC-CAA** विरोध का चेहरा बनकर उभरीं, उत्तर प्रदेश के हापुड़ की रहने वाली हैं। लगभग 11 साल पहले उनके पति की मृत्यु हो गई थी और वर्तमान में वह अपनी बहू और पोतों के साथ शाहीन बाग में रहती हैं।

COVID19 के खिलाफ भारत की लड़ाई के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारी पहली लड़ाई कोरोना वायरस के खिलाफ है। दुनिया से इस बीमारी को खत्म किया जाना चाहिए। बिलकिस दादी के परिवार ने भी प्रधानमंत्री मोदी सहित दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों में उन्हें शामिल किए जाने पर खुशी जताई है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग अस्तित्व में आया भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद की जगह ली

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 25 सितंबर । राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) शुक्रवार को अस्तित्व में आ गया। इसने भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (एमसीआई) की जगह ली है।

इसे देश के चिकित्सा शिक्षा संस्थानों और चिकित्सा पेशेवरों के नियमन के लिए नीतियां बनाने का अधिकार है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इसी के साथ करीब 64 वर्ष पुराना भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) अधिनियम समाप्त हो गया है तथा नियुक्ति किए गए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स'(बीओजी) भी अब भंग हो गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ' केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के साथ ही चार स्वायत्त बोर्डो के गठन के जरिए चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए हैं।' बयान में कहा गया है, ' इसी के साथ दशकों पुराना भारतीय चिकित्सा परिषद निरस्त हो गया है।' बृहस्पतिवार को जारी गजट

अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में ईएनटी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. सुरेश चंद्र शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शुक्रवार से शुरू हो रहा उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। वहीं एमसीआई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स' के महासचिव रहे राकेश कुमार वत्स आयोग के सचिव होंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोड्क्षवद ने आठ अगस्त 2019 को चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलावों की शुरुआत करने वाले राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) कानून को मंजूरी दे दी थी और इसे उसी दिन प्रकाशित कर दिया गया था। अधिसूचना के मुताबिक, अधिनियम के तहत घोटालों का दंश झेलने वाले एमसीआई की जगह एक एनएमसी का गठन किया जाना था। एनएमसी अधिनियम के तहत चार स्वायत्त बोर्ड स्नातक पूर्व चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (यूजीएमईबी), परास्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (पीजीएमईबी), चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेड्क्षटग बोर्ड और एथिक्स एवं चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड को भी गठित कर दिया गया है और यह शुक्रवार से अस्तित्व में आ गए हैं। बयान में कहा गया है, 'यह ऐतिहासिक बदलाव चिकित्सा शिक्षा को एक पारदर्शी, गुणात्मक और जवाबदेह व्यवस्था की तरफ ले जाएगी। जो बुनियादी बदलाव हुए हैं, उसके तहत नियामक 'योग्यता के आधार पर अब चयनित किया जाएगा जबकि पहले नियामक का चुनाव'होता था। मंत्रालय ने कहा कि ईमानदार, पेशेवर और अनुभवी लोगों को चिकित्सा क्षेत्र में और बदलाव करने का जिम्मा दिया गया है।

दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय की गरीब कल्याण नीति को आगे बढ़ा रहे हैं मोदीः शाह

नयी दिल्ली, 25 सितंबर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गत छह वर्षों से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय की गरीब कल्याण नीति को आगे बढ़ा रहे हैं। शाह ने भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर अपने सरकारी आवास पर उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी गत छह वर्षों से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की अन्त्योदय' की गरीब कल्याण नीति को आगे बढ़ा रहे हैं। इस नीति के तहत मोदी सरकार 60 करोड़ गरीबों के घरों में गैस का चूल्हा, बिजली, शौचालय, घर, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।'' शाह ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने उस समय एक नई विचारधारा को जन्म दिया, जब आजादी के तुरंत बाद देश की नीतियां बननी थी और देश को आगे बढने की दिशा तय होनी थी उन्होंने कहा, उपाध्याय ने पश्चिम का अनुकरण की जगह भारतीय मिट्टी की सुगंध वाली एक विचारधारा को जन्म देने का बहुत बड़ा काम किया।'' देश के विकास और देश की राजनीति, विशेषकर गरीब कल्याण के प्रति दीनदयाल के योगदान हमेशा याद किए जायेंगे। शाह ने कहा, उनके विचार, सिद्धांत और देश व समाज के प्रति सर्मिपत जीवन सदियों तक देशवासियों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।'' उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नगला चंद्रभान ग्राम में 25 सितंबर 1916 को जन्में उपाध्याय भाजपा की स्थापना के समय से ही उसके वैचारिक मार्गदर्शक और नैतिक प्रेरणा स्रोत रहे हैं।

दिल्ली जल बोर्ड से घर बैठे मिलेगा पानी-सीवर कनेक्शन, नई योजना को मंजूरी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली वासियों को अब पानी और सीवर कनेक्शन लेने के लिए दिल्ली जल बोर्ड के कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे और ना ही दलालों के चंगुल में फंस ना पड़ेगा। अब मात्र एक फोन कॉल कर लोग पानी और सीवर कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं। जल बोर्ड ने पानी और सीवर के कनेक्शन के लिए इस नई योजना को लागू करने की एक सरल प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को दिल्ली सरकार के जल मंत्री और डीजेपी के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन की अध्यक्षता में हुई डीजेबी की बैठक में इस नई योजना को हरी झंडी दी गई। योजना के तहत नए कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकृत किए जाएंगे तथा जो लोग ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकते वह 1076 पर कॉल कर मोबाइल सहायक का सहयोग लेकर इस सुविधा का लाभ

उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिनके पास मालिकाना दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं वहां आवेदक एक पहचान दस्तावेज के साथ 3 महीने का भुगतान किए गए बिजली के बिल और स्वयं का डिक्लेरेशन अंडरटेकिंग देकर पानी सीवर का कनेक्शन प्राप्त कर सकता है। बैठक में अन्य कई योजनाओं को मंजूरी दी गई, जिसमें जल वितरण प्रणाली में सुधार करना। बैठक में पूरी दिल्ली ऑपरेटर योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पानी व सीवर नेटवर्क के संचालन और प्रबंधन के लिए नीति को मंजूरी प्रदान की गई।उच्चतम न्यायालय और एनजीटी के नियम फैसले के अनुसार दिल्ली जल बोर्ड आप सभी उपभोक्ताओं से सीवर चार्ज वसूलेगा चाहे उपभोक्ताओं के क्षेत्र में सीवर व्यवस्था हो या ना हो। डी जे बी के अनुसार बोर्ड वर्तमान में पानी के बिलों के साथ 60% उपभोक्ता से सीवर प्रभार ले रहा है।

तिहाड़ जेल के DG संदीप गोयल कोरोना पॉजिटिव, खुद को किया होम क्वारंटाइन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में अब तिहाड जेल के डीजी संदीप गोयल कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। कोरोना के हल्के लक्षण दिखने पर उन्होंने अपना कोविड19 टेस्ट कराया जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। गोयल ने खुद को होम अइसोलेट कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने संपर्क में आने वालों को कोरोना टेस्ट कराने की सलाह दी है। तिहाड़ जेल में कोरोना का ये पहला मामला नहीं है इससे पहले मई में यहां संक्रमण का पहला केस सामने आया था। बता दें कि जेल नंबर सात के एक अधिकारी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जिसके बाद अधिकारी के संपर्क में आने वाले लोगों की सूची बनाई गई और उनका भी कोरोना टेस्ट कराया गया था।

वहीं दूसरी ओर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को कोरोना संक्रमण के साथ अब डेंगू भी हो चुका है। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एलएनजेपी अस्पताल से मैक्स अस्पताल में भर्ती किया गया है। गुरुवार शाम को तबीयत ज्यादा बिगड़ने के बाद सिसोदिया को आनन फानन में दक्षिण दिल्ली स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती किया गया। एलएनजेपी अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर का कहना है कि मनीष सिसोदिया को कोरोना के साथ डेंगू भी है। अचानक से ब्लड प्लेटलेट्स काउंट गिर रहा है और बुखार भी कम नहीं हो रहा है। इसके साथ ही अभी भी ऑक्सीजन लेवल कम है। गुरुवार को रात 8¬45 बजे के आसपास उन्हें मैक्स अस्पताल में भर्ती किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर युवाओं, संस्थाओं, शिक्षाविदों से सुझाव मांगा

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता हमारी सामूहिक जिम्मेदारीः निशंक

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 25 सितंबर । केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने शुक्रवार को नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देश की नीति बताते हुए इसके क्रियान्वयन के लिये युवाओं, संस्थाओं, स्वयं सेवकों, शिक्षाविदों सहित सभी लोगों से सुझाव देने को कहा। एसोचैम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 ¬ शिक्षा का उज्ज्वल भविष्य विषय पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए निशंक ने कहा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह एक टीम के रूप में काम करने का विषय है। एक साथ मिलकर ही हम सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा के क्रियान्वयन के संदर्भ में मैं

देश के युवाओं, संस्थाओं, स्वयं सेवकों तथा शिक्षाविदों से आग्रह करता हूं कि वे बिना किसी संकोच एवं पूर्वाग्रह के अपने सुझाव दें तथा इस नीति को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए जागरूकता अभियान एवं शिक्षासंवाद की शुरुआत करें।'' निशंक ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के बारे में सरकार ने पैराग्राफ वार तरीके से सुझाव मांगे हैं । अब तक 15 लाख सुझाव प्राप्त हुए हैं ।'' उन्होंने कहा कि करीब 10 देशों ने हमसे नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर सम्पर्क किया है और उनके शिक्षा मंत्रियों ने अपने यहां भारत की नयी शिक्षा नीति के आयामों को लागू करने की इच्छा व्यक्त की है। मंत्री ने कहा कि कुछ लोग यह दलील दे रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति करने के लिये अंग्रेजी जानना जरूरी है। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि हम अंग्रेजी के खिलाफ नहीं हैं लेकिन शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा होने से भारतीय भाषाएं मजबूत होंगी । सरकार किसी राज्य पर कोई भाषा थोपना नहीं चाहती है। हमें 22 भारतीय भाषाओं को मजबूत बनाने के पक्ष में हैं।'' निशंक ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की नीति है, जिसमें सब का हित निहित है। जिस प्रकार का विस्तृत विमर्श, मंथन एवं ड्क्षचतन नीति के प्रथम चरण में हमें मिला, वह आशान्वित हैं कि उसी समावेशी सोच के साथ क्रियान्वयन में भी हमें सबका साथ, सबका विश्वास'मिलेगा। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्चतर शिक्षा तक व्यापक सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। फोकस इसी बात पर है कि शिक्षा की आधारशिला को मजबूती प्रदान कर ?सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जाए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह नीति क्षमता निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करती है।

लॉकडाउन से दिल्ली-एनसीआर के पर्यावरण को हुआ लाभ

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । लॉकडाउन के दौरान दिल्ली के सभी हॉटस्पॉट की हवा में भी खासा सुधार हुआ था। दरअसल, इस बीच हवा में जहर घोलने वाली गतिविधियां लॉक होने की वजह से हवा जहां 60 फीसद तक साफ हो गई थी। वहीं, पहली बार ध्वनि व जल प्रदूषण में भी गिरावट आई थी। यह निष्कर्ष केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्ययन में निकला है।

सीपीसीबी ने आइआइटी दिल्ली व कानपुर के साथ मिलकर लॉकडाउन के दौरान प्रदूषण के स्तर में आई कमी का आंकड़ा तैयार किया है। इस रिपोर्ट को सीपीसीबी के 46वें स्थापना दिवस पर बुधवार को केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री बाबुल सुप्रियो ने एक वेबिनार में जारी किया है। इसके अनुसार राजधानी के सर्वाधिक प्रदूषित सभी 13 क्षेत्रों में वाहनों के परिचालन में कमी, सड़क पर कम धूलकण, निर्माण गतिविधि बंद होने व औद्योगिक इकाइयां बंद होने की वजह से वायु प्रदूषण में अभूतपूर्व गिरावट आई थी।

उस समय रोहिणी, अशोक विहार, आरके पुरम में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के स्तर में 70 फीसद की कमी देखी गई। पंजाबी बाग, आनंद विहार, जहांगीरपुरी, ओखला, अशोक विहार, बवाना में भी नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का स्तर कम पाया गया। द्वारका, मुंडका व वजीरपुर में पीएम 10 के स्तर में 60 फीसद की गिरावट पाई गई। जहांगीरपुरी में पीएम 2.5 के स्तर में 54 व पंजाबी बाग में 26 फीसद की कमी आई।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

एसीसी ने सेल के निदेशक मंडल के पुनर्गठन की अनुमति दी

नई दिल्ली। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल के निदेशक मंडल (बोर्ड) के पुनर्गठन की मंजूरी दे दी है। इस्पात मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि बोर्ड के पुनर्गठन से कंपनी की दक्षता में सुधार होगा। साथ ही इससे कंपनी में विकेंद्रीकरण आएगा। इस्पात मंत्रालय ने कहा, ''कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सेल के बोर्ड के पुनर्गठन की अनुमति दे दी है। सेल के एकीकृत इस्पात संयंत्रों के चार मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को कार्यात्मक निदेशक पद पर पदोन्नत किया जाएगा। इन्हें बोकारो, राउरकेला, भिलाई का निदेशकइनचार्ज बनाया जाएगा। इसके अलावा बर्नपुर तथा दुर्गापुर के इस्पात संयंत्रों के लिए एक निदेशक इनचार्ज होगा।'' पुनर्गठन के तहत निदेशक (कच्चा माल एवं लॉजिस्टिक्स) तथा निदेशक (परियोजना एवं कारोबार योजना) के कामकाज और दायित्व का निदेशक (तकनीकी) के साथ विलय किया जाएगा। विलय के बाद इसे निदेशक (तकनीकी, परियोजना और कच्चा माल) कहा जाएगा। पुनर्गठित बोर्ड में चेयरमैन, निदेशक (वित्त), निदेशक (वाणिज्यिक), निदेशक , निदेशक तथा एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निदेशक इनचार्ज शामिल रहेंगे।

नजफगढ़ से ढांसा स्टैंड के बीच अगले साल चलेगी मेट्रो

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निर्माण कार्य प्रभावित होने से नजफगढ़ढांसा बस स्टैंड मेट्रो कॉरिडोर अब अगले साल बनकर तैयार होगा। यह कॉरिडोर ग्रे लाइन की विस्तार परियोजना है। इस कॉरिडोर पर अब अगले साल मई तक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। इस कॉरिडोर पर परिचालन शुरू होने पर द्वारका से नजफगढ़ स्थित ढांसा बस स्टैंड तक मेट्रो की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। मौजूदा समय में ग्रे लाइन के 4.3 किलोमीटर हिस्से पर द्वारका से नजफगढ़ के बीच मेट्रो की सुविधा उपलब्ध है। गौरतलब है कि ग्रे लाइन पर चार अक्टूबर 2019 को परिचालन शुरू हुआ था। इस मेट्रो लाइन का द्वारका स्टेशन ब्लू लाइन के साथ इंटरचेंज स्टेशन है, इसलिए नजफगढ़ से नोएडा व वैशाली के बीच मेट्रो से आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। इसलिए नजफगढ़ मेट्रो स्टेशन से ढांसा बस स्टैंड के बीच 1.8 किलोमीटर लंबे भूमिगत कॉरिडोर का निर्माण चल रहा है। यह कॉरिडोर इस साल दिसंबर में बनकर तैयार होना था। इस बीच अब दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने 48 करोड़ की लागत से ढांसा बस स्टैंड से आगे 289 मीटर का अतिरिक्त भूमिगत रिवर्सल कॉरिडोर बनाने का फैसला किया। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यह रिवर्सल कॉरिडोर अगले साल मार्च तक बनकर तैयार होगा। रिवर्सल कॉरिडोर का निर्माण इसलिए किया जाएगा ताकि ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को उतरने के बाद मेट्रो आगे जाकर उस कॉरिडोर से वापस द्वारका की तरफ लौट सके।

अमेरिकी दूतावास के सहयोग से दिल्ली सरकार की पहल, 600 शिक्षक हुए शामिल

दिल्ली सरकार ने आपको सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने का लगातार प्रयास किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 25 सितंबर । अंग्रेजी शिक्षकों के लिए 8 सप्ताह के लिए आयोजित ऑनलाइन व्यावसायिक विकास (पीडीईटी) कार्यक्रम और प्राथमिक शिक्षकों के लिए 4 सप्ताह के संचार भाषा शिक्षण का आज समापन हो गया। दिल्ली सरकार ने यह ऑनलाइन कार्यक्रम भारत में अमेरिकी दूतावास के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय (आरईओ) के सहयोग से शुरू किया था। इस कार्यक्रम में रेलो (आरईएलओ) के अंग्रेजी भाषा विशेषज्ञों सुश्री सारा बोल्टन, डॉ. लिसा मॉर्गन और सुश्री बारबरा सकामोटो के मार्गदर्शन में करीब 600 अंग्रेजी शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, जबकि दिल्ली के करीब 30 मेंटर शिक्षकों ने सहायक की भूमिका निभाई।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने समापन समारोह में शामिल होने में असमर्थ होने के कारण अस्पताल से संदेश भेजा। उन्होंने अस्पताल से भेजे अपने संदेश में सभी प्रतिभागी शिक्षकों को इस कोर्स को सफलता पूर्वक पूरा करने के लिए बधाई दी गई। उन्होंने सभी शिक्षकों से कहा कि शिक्षक अपने स्कूलों में अंग्रेजी भाषा की बेहतरीन शिक्षा प्रदान करने के लिए इस विश्व स्तरीय प्रशिक्षण अवसर का सदुपयोग करें और इसे अपने साथियों के साथ साझा भी करें। उन्होंने संदेश दिया, 'दिल्ली सरकार आपको सर्वोत्तम प्रशिक्षण अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि आपके माध्यम से, हम अपने छात्रों को सीखने के सर्वोत्तम

अवसरों की उम्मीद करते हैं। यह हमारे काम करने का तरीका है।

अमेरिकी दूतावास के सार्वजनिक मामलों के मंत्री काउंसलर डेविड कैनेडी ने समापन समारोह में कहा कि दिल्ली सरकार के साथ काम करना अमेरिकी दूतावास के सम्मान की बात है। यह कार्यक्रम शिक्षा को मजबूत करने में अमेरिकी दूतावास और दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम शिक्षकों को ऐसा कौशल सिखाना चाहते हैं, ताकि वे छात्रों को 21वीं सदी में सफल होने में मदद कर सकें। उन्होंने दिल्ली सरकार और अमेरिकी दूतावास के बीच साझेदारी के लिए शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दृष्टि का पता चलता है। शिक्षा मंत्री ने हमारी साझेदारी को काफी मदद की है। कैनेडी ने कहा कि हम सिसोदिया के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में अपना सहयोग जारी रखना चाहते हैं। दिल्ली शिक्षा निदेशालय के निदेशक उदित प्रकाश राय ने कहा, 'पूरे कार्यक्रम में जिस ऊर्जा के साथ शिक्षक शामिल हुए थे, उसे देखकर बहुत खुशी हुई। मैं इस कार्यक्रम को बाकी शिक्षकों तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा, ताकि वे भी विश्व स्तरीय एक्सपोजर प्राप्त कर सकें। इस कोर्स में दिल्ली सरकार के स्कूल के शिक्षकों को अमेरिकी विदेश विभाग में अंग्रेजी भाषा कार्यक्रम कार्यालय द्वारा पेश किए गए अंग्रेजी भाषा शिक्षण संसाधनों से अवगत कराया। यह कार्यक्रम सेवारत शिक्षकों को उनके निर्देशात्मक प्रथाओं में सुधार के लिए डिजाइन किया गया था। प्रतिभागियों ने अमेरिकी अंग्रेजी वेबसाइट, अंग्रेजी शिक्षण मंच पत्रिका और मॉन्स्टर बुक ऑफ टीचिंग एक्टिविटीज द्वारा पेश किए गए कई शिक्षण संसाधनों का उपयोग किया। इससे पहले, यह कार्यक्रम सिर्फ मध्य और माध्यमिक ग्रेड शिक्षकों के लिए शुरू किया गया था, जो बाद में प्राथमिक शिक्षकों के लिए भी विस्तारित किया गया।

पत्नी ने मोबाइल देखने के लिए मांगा तो घोंट दिया गला, मौत

नई दिल्ली । पहाड़गंज इलाके में एक शख्स ने गला घोंटकर पत्नी की हत्या कर दी। मृतक महिला की शिनाख्त रोहिणी (29) के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपी पति सन्नी (32) को गिरफ्तार कर लिया है, जो ईंरिक्शा चलाकर परिवार का गुजारा करता था। दोनों ने 11 साल पहले लव मेरिज की थी। तफ्तीश में पता चला है कि रोहिणी अपने पति के चरित्र पर शक करती थी। रात को पत्नी ने मोबाइल मांगा तो इस पर झगड़ा हो गया। सन्नी ने गुस्से में पत्नी का गला दबा दिया। डीसीपी संजय भाटिया ने बताया कि रोहिणी परिवार समेत पहाड़गंज के मुल्तानी ढांडा में रहती थीं। सन्नी और उनका का एक बेटा और एक बेटी है। आरोप है कि रोहिणी को शक था कि सन्नी के किसी महिला से भी संबंध हैं। दोनों में इसे लेकर कहासुनी होती थी। बुधवार रात रोहिणी का 10 साल का बेटा सासससुर के पास नीचे की मंजिल पर सो रहा था।

जागो ने पश्चिमी दिल्ली में बढ़ाए कदम, चुनाव मंथन शुरू

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 25 सितंबर । जागो पार्टी के पश्चिमी दिल्ली से संबंधित वरिष्ठ नेताओं की मुखर्जी पार्क में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चमन सिंह शाहपुरा की अध्यक्षता में चिंतन मीटिंग हुई। जिसमें आगामी कमेटी चुनावों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। मीटिंग को पार्टी की केन्द्रीय टीम के महासचिव व मुख्य प्रवक्ता परमिंदर पाल सिंह, चमन सिंह तथा दिल्ली इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नत्था सिंह ने संबोधित किया। इसके अलावा मौके पर मौजूद नेताओं द्वारा दी गई शिकायतों व सुझावों पर भी गहन चर्चा हुई। पश्चिम दिल्ली में पड़ते दोनों जिलों में पार्टी संगठन को मजबूत करने पर सहमति जताते हुए सभी नेताओं ने पार्टी की मजबूती के लिए हर 15 दिन बाद ऐसी मीटिंग करने का सुझाव दिया। चमन सिंह ने कहा कि पार्टी की लोकप्रियता को ओर बढ़ाने के लिए सभी नेताओं को सोशल मीडिया पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। क्योंकि यह कोविड़ महामारी के दौरान लोगों तक पहुँचने का सुरक्षित और आसान तरीका है। चमन सिंह ने पार्टी के फेसबुक पेजों पर आ रहीं पोस्टों को फेसबुक और वॉटसएप पर ज्यादा

से ज्यादा शेयर करने की अपील करते हुए संगठन में साफ व गुरमत विचारधारा वाले लोगों को जोड़ने की सिफारिश करने की पार्टी नेताओं को सलाह दी। चमन सिंह ने कहा कि जागो धार्मिक पार्टी हैं, इसलिए पार्टी से जुड़ने वाले लोगों को बिना छानबीन किए पद ना दिए और दिलाए जाए। परमिंदर ने चुनाव और वोट बनाने की संभावित तारीखों का जिक्र करते हुए वोट बनवाते समय बरती जाने वाली जरूरी सावधानियाँ की जानकारी दी। साथ ही अदालतों में चुनाव लटकाने के लिए सीनियर वकील खड़े करने से लेकर रोज नया बहाना बनाकर चुनाव से भागने की अकाली दल की फिराक का भी हवाला दिया। परमिंदर ने कहा कि पार्टी का केन्द्रीय दफ्तर चुनाव से संबंधित हर जरूरी बात और सामग्री हर वार्ड तक पहुँचा देगा।

डीजल हुआ सस्ता पेट्रोल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। देश में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन पेट्रोल के दाम स्थिर रहे जबकि डीजल की कीमत दो दिन टिकी रहने के बाद चार बड़े महानगरों में 17 से 20 पैसे प्रति लीटर कम हो गई। इससे पहले सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार तक डीजल के दाम में लगातार छह दिन कटौती की थी जबकि तीन दिन बाद पेट्रोल की कीमत में भी नौ पैसे तक कमी की गई थी। विश्व में कोरोना वायरस महामारी के कारण अभी तक कच्चे तेल की मांग में बढ़ोतरी नहीं हुई है। तेल विपणन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 81.06 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा जबकि डीजल 18 पैसे सस्ता होकर 71.10 रुपये प्रति लीटर पर आ गया। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 87.74 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा और डीजल 20 पैसे कम होकर 77.54 रुपये प्रति लीटर रह गया। कोलकाता में पेट्रोल 82.59 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा जबकि डीजल का दाम 18 पैसे कम होकर 74.62 रुपये प्रति लीटर रहा।

लव जिहाद एक जन-सांख्यिक आक्रमण हैः आलोक कुमार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय कार्याध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार ने आज कहा है कि लव जिहाद जनसंख्या पर सुनियोजित आक्रमण है। पुलिस, सरकार और समाज इन तीनों को मिलकर सतर्कता पूर्वक समयोचित कार्यवाही हेतु आगे आना होगा। राष्ट्रीय जागरण की पाक्षिक पत्रिका हिन्दू विश्व के लव जिहाद विशेषांक का विमोचन करते हुए कहा कि लव जिहाद एक ऐसा षडयन्त्र है जो कुछ लोगों द्वारा जानबूझ कर पैसे, साधन व धार्मिक अंधविश्वासों के आधार पर चलाया जा रहा है।

इसे रोका जाना नितांत आवश्यक है। पत्रिका में लव जिहाद की 147 घटनाओं की सूची सहित दिए गए तत्थ्य समाज की आँखें खोलने वाले होंगे। विहिप कार्याध्यक्ष ने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री ने 2012 में कहा था कि गत 3 वर्षों में 2667 हिन्दू लड़कियों ने इस्लाम स्वीकार किया तथा इसी बीच 79 लड़कियां वापस हिन्दू बनीं तथा 2 ईसाई। ये जो असंतुलन है, वह चिंता जनक है। सामान्य तौर पर लव जिहादी मुस्लिम

युवक यह विश्वास करता है कि हिन्दू लड़कियों को, चाहे धोखे से, तिलक लगा कर, हाथ में कलावे के साथ हिन्दू होने का भ्रम पैदाकर अपने प्रेम जाल में फंसाने, निकाह और मजहब का विस्तार करने, तथा उनके साथ घूमने में उनके समुदाय का समर्थन हासिल है। जब विवाहोपरांत लड़की को पता चलता है कि मैंने जिस लड़के से विवाह किया था वह विधर्मी है, खानपान, वेशभूषा, आचारविचार तथा व्यवहार में उलटा है, तब उनकी स्थिति क्या होती है। यह बहुर सारे उदाहरणों से स्पष्ट है। पत्रिका के सम्पादक विजय शंकर तिवारी तथा विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल के साथ पत्रिका का अपने कार्यालय से विमोचन करते हुए एक वीडियो संदेश में उन्होंने आज कहा कि 'हिन्दू विश्व' ने अपने शोध के माध्यम से इन षडयंत्रों को उजागर करते हुए 147 घटनाओं की सूची सहित जो तत्थ्य दिए हैं वे समाज के लिए बहुत उपयोगी होंगे।

पश्चिमी जिला भाजपा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । भाजपा पश्चिमी दिल्ली जिला द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 104 वी जयंती पर पश्चिमी जिला कार्यालय में श्रद्धाजलि अर्पित करने का कार्यक्रम किया गया जिला अध्यक्ष सचिन भसीन और ,पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश खन्ना एवं जिला कार्यकर्ताओं द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्जवलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से सन्देश को सभी ने सामुहिक तोर पर सुना !

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट कार्यालय में मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । यूनाइटेड हिंदू फ्रंट की ओर से आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महान विचारक , जनसंघ के सहसंस्थापक एवं मानववाद के प्रबल समर्थक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती मनाई गई इस अवसर पर फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जयभगवान गोयल ने कहा कि आज का दिन 25 सितंबर एक ऐतिहासिक दिवस है। वर्ष 1916 में आज ही के दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म मथुरा में हुआ था। उपाध्याय जी राजनेता के साथसाथ एक पत्रकार और लेखक भी थे। पांचजन्य की नीव उन्हीं के कर कमलों से रखी गई थी। गोयल ने देश की जनता को गुमराह करने के विपक्षी दलों के प्रयासों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया जिन्होंने जानबूझकर 25 सितंबर को भारत बंद का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी जैसे महापुरुष से नाराजगी समझ से बाहर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर देश में बड़ा अभियान सेवा

सप्ताह के रूप में चलाया गया तो विपक्ष ने बेरोजगार दिवस के तौर पर यह दिन मनाने का निर्णय लिया। अब 25 सितंबर को उपाध्याय की जयंती पर भारत बंद का नया एजेंडा विपक्ष का आया है। गोयल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस पर भाजपा देश भर में तमाम कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें स्मरण करती है। नई पीढ़ी के मन में यह आना स्वाभाविक है कि मानवता की सेवा में लगी रही महान विभूति के जन्मदिवस पर भारत बंद का आयोजन करके उनके प्रति तिरस्कार किन शक्तियों के इशारे पर किया जा रहा है।

दिल्ली सरकार ने शुरू किया ऑनलाइन एडमिशन का दूसरा फेज, 3 अक्टूबर तक आखिरी तारीख

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने ऑनलाइन एडमिशन के लिए दूसरा फेज शुरू किया है। ऑनलाइन प्रवेश के इस फेज को शुक्रवार 25 सितंबर से शुरू कर 3 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इसमें 6वीं कक्षा से लेकर 9वीं कक्षा और 11वीं तक के लिए छात्रछात्रों को मौका मिल रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा यह प्रवेश प्रकिया 2020-2021 के लिए शुरू किया गया है। इसके लिए दिल्ली सरकार ने एक लेटर जारी किया है जिसमें यह बताया गया है कि गैरयोजना प्रवेश 2020-21 के तहत कक्षा छठी से नौवीं और ग्यारहवीं की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण को अनुमति दी गई है। दूसरे चरण की शुरुआत उन अभिभावकों की चिंताओं को दूर करने के लिए की गई है, जो ऑनलाइन प्रवेश के लिए अपने वार्ड का पंजीकरण नहीं करा सकते थे। पंजीकरण आज फिर से खोल दिया गया है और 3 अक्टूबर तक चलेगा। बता दें कि पहले फेज के लिए अभी कागजातों की जांच प्रकिया जारी है। आवंटित स्कूल के अप्लाई किए गए पहले फेज का काम 30 सितंबर तक पूरा हो जाएगा। इस दौरान कुल आवेदन जो शिक्षा निदेशालय को प्राप्त हुए हैं उनकी संख्या 64995 रही है। इनमें से 64450 लोगों को स्कूल आवंटित कर दिया गया है। ऑनलाइन प्रवेश पंजीकरण फॉर्म जमा करने का लिंक दिल्ली सरकार की वेबसाइट **www.edudel.nic.in** के होम पेज पर उपलब्ध है। जिन आवेदकों ने पहले चरण में आवेदन किया है और जिन्हें स्कूल आवंटित किए हैं या जो पहले से सरकारी वित्तपोषित स्कूल में पढ़ रहे हैं, उन्हें आवेदन करने की पात्रता नहीं है। छठी से नौवीं कक्षा के लिए पंजीकरण में केवल एक चरण की प्रक्रिया है।

सरकार ने फेम चरण-दो के तहत 670 ई-बसों, 241 चार्जिंग स्टेशनों की मंजूरी दी

नई दिल्ली, 25 सितंबर (वेबवार्ता)। सरकार ने फेम इंडिया योजना चरणदो के तहत महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और चंडीगढ़ के लिए 670 इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी दी है। इसके अलावा योजना के तहत मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गुजरात और पोर्ट ब्लेयर के लिए कुल 241 चार्जिंग स्टेशनों की मंजूरी दी है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शुक्रवार को कहा कि यह फैसला केंद्र की पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता को कम करने और वाहन से उत्सर्जन के मुद्दे को हल करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरणनुकूल सार्वजनिक परिवहन के दृष्टिकोण के भी अनुरूप है। जावड़ेकर ने कहा, ''यह एक अच्छी शुरुआत है। शहरों में ईबसों, ईंरिक्शा, ईस्कूटी तथा ईकारों से पर्यावरणनुकूल परिवहन को आगे बढ़ाया जा सकता है।'' मंत्री ने कई ट्वीट कर बताया कि कोल्लम के लिए 25 चार्जिंग स्टेशनों, तिरुवनंतपुरम के लिए 27, मलप्पुरम (सभी केरल) के लिए 28 चार्जिंग स्टेशनों की मंजूरी दी गई है। पोर्ट ब्लेयर के लिए 10 और तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के लिए 25 चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी गई है। जावड़ेकर ने कहा कि बिजलीचालित वाहनों को प्रोत्साहन के लिए चार्जिंग स्टेशन सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा है। उन्होंने कहा, ''पहले ही विभिन्न शहरों में 450 बसें दौड़ रही हैं।

अब 670 ईबसों को मंजूरी दी गई है। महाराष्ट्र के लिए 240, गुजरात के लिए 250, गोवा के लिए 100 और चंडीगढ़ के लिए 80 ईबसों को मंजूरी दी गई है। केरल और अन्य राज्यों के लिए भी ईचार्जिंग स्टेशन मंजूर किए गए हैं।'' भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम मंत्रालय के तहत भारी उद्योग विभाग अप्रैल, 2015 से फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (हाइब्रिड एंड) इलेक्ट्रिक वेहिकल्स इन इंडिया (फेम इंडिया) योजना को चला रहा है।

यह योजना देश में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिए बनाई गई है। अभी एक अप्रैल, 2019 से तीन साल के लिए फेम इंडिया योजना के चरणदो का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके लिए कुल 10,000 करोड़ रुपये का बजटीय समर्थन उपलब्ध कराया गया है।

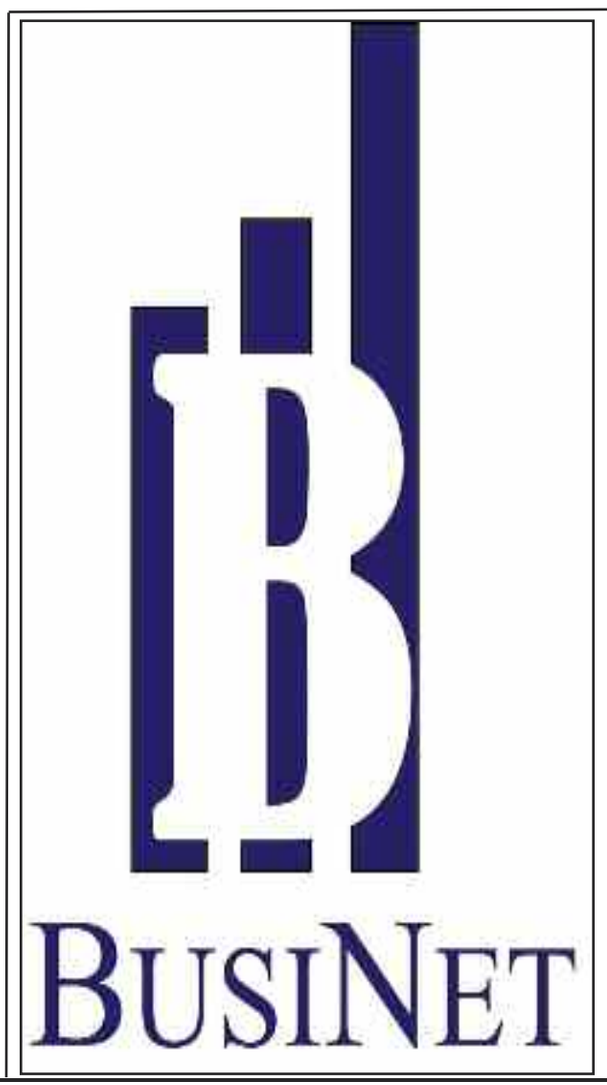

संपादकीय

एकात्म मानवदर्शन समाज जीवन के हर पक्ष में प्रभावी हो सकता है

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वयं बहुत बड़े पत्रकार और संचारक थे। अपनी विचारधारा को पुष्ट करने के लिए पत्रों का संपादन, प्रकाशन, स्तंभलेखन, पुस्तक लेखन उनकी रूचि का विषय था। उन्होंने लिखने के साथसाथ बोलकर भी एक प्रभावी संचारक की भूमिका का निर्वहन किया है। उनकी स्मृति को रेखांकित करते हुए क्या हम विचार कर सकते हैं कि समाज जीवन के हर पक्ष में एकात्म मानवदर्शन किस तरह प्रभावी हो सकता है। भरोसा करना कठिन है कि श्री दीनदयाल उपाध्याय जैसे साधारण कदकाठी और सामान्य से दिखने वाले मनुष्य ने भारतीय राजनीति और समाज को एक ऐसा वैकल्पिक विचार और दर्शन प्रदान किया कि जिससे प्रेरणा लेकर हजारों युवाओं की एक ऐसी मालिका तैयार हुयी, जिसने इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में भारतीय राजसत्ता में अपनी गहरी पैठ बना ली। क्या विचार सच में इतने ताकतवर होते हैं या यह सिर्फ समय का खेल है? किसी भी देश की राजनीतिक निष्ठाएं एकाएक नहीं बदलतीं। उसे बदलने में सालों लगते हैं। डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी, अटलबिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी तक पहुंची यह राजनीतिक विचार यात्रा साधारण नहीं है। इसमें इस विचार को समर्पित लाखोंलाखों अनाम सहयोगियों को भुलाया तो जा सकता है किंतु उनके योगदान को नकारा नहीं जा सकता।

पं. दीनदयाल उपाध्याय राजनीति के लिए नहीं बने थे, उन्हें तो एक नए बने राजनीतिक दल जनसंघ में उसके प्रथम अध्यक्ष डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की मांग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मा.स.गोलवलकर (गुरूजी) ने राजनीति में भेजा था। यह एक संयोग ही था कि डा. मुखर्जी और दीनदयाल जी दोनों की मृत्यु सहज नहीं रही और दोनों की मौत और हत्या के कारण आज भी रहस्य में हैं। दीनदयालजी तो संघ के प्रचारक थे। आरएसएस की परिपाटी में प्रचारक एक गृहत्यागी सन्यासी सरीखा व्यक्ति होता है, जो समाज के संगठन के लिए अलगअलग संगठनों के माध्यम से विविध क्षेत्रों में काम करता है। देश के सबसे बड़े सांस्कृतिक संगठन बन चुके आरएसएस के लिए वे बेहद कठिन दिन थे। राजसत्ता उन्हें गांधी का हत्यारा कहकर लांछित करती थी, तो समाज में उनके लिए जगह धीरेधीरे बन रही थी। शुद्ध सात्विक प्रेम और संपर्कों के आधार पर जैसा स्वाभाविक विस्तार संघ का होना था, वह हो रहा था, किंतु निरंतर राजनीतिक हमलों ने उसे मजबूर किया कि वह एक राजनीतिक शक्ति के रूप में भी सामने आए। खासकर संघ पर प्रतिबंध के दौर में तो उसके पक्ष में दो बातें कहने वाले लोग भी संसद और विधानसभाओं में नहीं थे। यही पीड़ा भारतीय जनसंघ के गठन का आधार बनी। डा. मुखर्जी उसके वाहक बने और दीनदयाल जी के नाते उन्हें एक ऐसा महामंत्री मिला जिसने दल को न सिर्फ सांगठनिक आधार दिया बल्कि उसके वैचारिक अधिष्ठान को भी स्पष्ट करने का काम किया। पं. दीनदयाल जी को गुरूजी ने जिस भी अपेक्षा से वहां भेजा वे उससे ज्यादा सफल रहे। अपने जीवन की प्रामणिकता, कार्यकुशलता, सतत प्रवास, लेखन, संगठन कौशल और विचार के प्रति निरंतरता ने उन्हें जल्दी ही संघ और जनसंघ के कार्यकर्ताओं का श्रद्धाभाजन बना दिया। बेहद साधारण परिवार और परिवेश से आए दीनदयालजी भारतीय राजनीति के मंच पर बिना बड़ी चमत्कारी सफलताओं के भी एक ऐसे नायक के रूप में स्थापित होते दिखे, जिसे आप आदर्श मान सकते हैं। उनके हिस्से चुनावी सफलताएं नहीं रहीं, एक चुनाव जो वे जौनपुर से लड़े वह भी हार गए, किंतु उनका सामाजिक कद बहुत बड़ा हो चुका था। उनकी बातें गौर से सुनी जाने लगी थीं। वे दिग्गज राजनेताओं की भीड़ में एक राष्ट्रऋषि सरीखे नजर आते थे। उदारता और सौजन्यता से लोगों के मनों में, संगठन कौशल से कार्यकर्ताओं के दिलों में जगह बना रहे थे तो वैचारिक विमर्श में हस्तक्षेप करते हुए देश के बौद्धिक जगत को वे आंदोलितप्रभावित कर रहे थे।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़्मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

कृषि विधेयक लिखेगी विधानसभा उपचुनाव परिणाम की पटकथा

फिरहाल, माहौल बनाने के लिए विपक्ष किसानो को एकजुट करने में लगा है। किसान को सड़क पर उतारकर देशभर में चक्का जाम करोन की तैयारी की है। पंजाब में किसानों ने रेल रोको आंदोलन शुरू किया है। इसके मद्देनजर किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए 14 जोड़ी विशेष ट्रेनें 24 सितंबर से 26 सितंबर तक निलंबित रहेंगी। कई मालगाड़ी और पार्सल ट्रेनों का भी समय बदला गया है. मौजूदा समय में कोविड19 महामारी की वजह से नियमित यात्री ट्रेनें पहले से ही निलंबित हैं। इसी कड़ी में 25 सितंबर को भारत बंद बुलाया है। मकसद है भाजपा के खिलाफ चुनावी माहौल बनाना। यह अलग बात है कि किसान हितैषी होने के दावों के बीच मोदी सरकार के खिलाफ 2014 से लेकर अब तक किसान कई बार सड़क पर उतर चुके हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली। हालांकि इस बार किसानों की नाराजगी कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रही है।

मोदी सरकार द्वारा लाए गए कृषि सुधार कानून को किसान अपने हित में नहीं मान रहे हैं। इसके खिलाफ किसान एकजुट होकर आवाज बुलंद करने लगे हैं। किसानों की सबसे ज्यादा नाराजगी हरियाणा, पंजाब, यूपी और एमपी में देखने को मिल रही है, जिसे विपक्ष खाद पानी भी देने का काम कर रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि किसान बिल किसानों के जीवन में खुशहाली लाएगा। विपक्ष बेरोजगार है और उनको 2014, 2017 और 2019 की हार से भी अगर सबक नहीं मिला है तो आने वाले उपचुनाव और 2022 के चुनाव में जनता सबक सिखाएगी।

बता दें, एमपी में 28 विधानसभा क्षेत्रों में उप चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस इन उपचुनाव के जरिए सत्ता में वापसी का सपना संजोए हुए है। यही कारण है कि कांग्रेस कई रणनीतियों पर एक साथ काम कर रही है। राज्य के इन 28 विधानसभा क्षेत्रों में पिछड़ा वर्ग और आरक्षित वर्ग की जनसंख्या को ध्यान में रखकर कांग्रेस ने इस वर्ग से जुड़े नेताओं को पहली कतार में रखना शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर पिछड़े और आरक्षित वर्ग के जनाधार वाले नेताओं को भी मैदान में उतार दिया है।

माना जा रहा है कि इनका अपने अपने क्षेत्र में जनाधार तो है ही साथ में समाज में गहरी पैठ भी है। यह अलग बात है कि यह नेता मतदाताओं को अपने तरीके से लुभाने में कितना कामयाब हो पाएंगे, यह तो बड़ा सवाल रहेगा ही। वहीं दूसरी ओर अभी तक भाजपा ने अपने पत्ते खोले नहीं हैं इसलिए कांग्रेस की इस रणनीति पर हालफिलहाल ज्यादा कयास लगाना ठीक नहीं होगा। हां, इतना जरुर कहा जा सकता है कि उप चुनाव राज्य की सियासत में एक पटकथा जरुर लिखेंगे। क्योंकि इस उपचुनाव में चंबलग्वालियर क्षेत्र की सबसे ज्यादा सीटें शामिल हैं, जो शिवराज के सियासी भविष्य तय करेंगे। सत्ता की कमान शिवराज के हाथों में रहेगी या फिर कमलनाथ वापसी करेंगे। क्योंकि इनमें अधिकांश सीटें ग्रामीण इलाके से आती हैं और कृषि कार्य से जुड़े लोग ज्यादा मतदाता हैं। यही वजह है कि शिवराज चैहान किसानों को लुभाने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ रहे है। शिवराज

सरकार ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों के खातों में न सिर्फ मुआवजा राशि डाली है, बल्कि प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना की ही तरह राज्य के किसानों को चार हजार रूपये प्रतिवर्ष अतिरिक्त सम्मान निधि देने का ऐलान भी किया है।

इस तरह से किसानों को अब 10 हजार सालाना मिलेगा। इसके अलावा किसानों को बिना ब्याज दर पर फसल ऋण उपलब्ध कराने की योजना शुरू की है। सरकारी नौकरियों को सिर्फ और सिर्फ प्रदेश के युवाओं के लिए आरक्षित कर दिया है। शिवराज ने सरकारी नौकरी में एमपी के लोगों के लिए 100 फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया है। गृह, राजस्व, जेल, लोक निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर भर्ती का निर्देश भी दिया है। साहूकारों के कर्ज से आदिवासी समुदाय को मुक्ति दिलाने के लिए कानून 15 अगस्त 2020 से पहले के सभी कर्जे माफ कर दिए गए हैं, जिन्हें साहूकार अब नहीं वसूल सकेंगे। ऐसे में अब कोई साहूकार दबाव डालता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। बीजेपी प्रभावित इलाके में चंबल एक्सप्रेसवे के प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। यह मुरैना से राजस्थान के कोटा तक 352 किमी लंबा एक्सप्रेसवे है। यह मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को आपस में जोड़ा जाएगा। यह एक्सप्रेस वे 8 लेन का होग जो चंबल नदी के किनारे बनेगा।

इसी तरह यूपी के आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। कानपुर के घाटमपुर, जौनपुर के मल्हनी, रामपुर के स्वार, बुलंदशहर के सदर, आगरा के टूंडला, देवरिया की देवरिया सदर, उन्नाव की बांगरमऊ और अमरोहा की नौगावां सादात सीट है। इनमें चार सीटें पश्चिम यूपी हैं, जहां किसान किंगमेकर की भूमिका में हैं। पश्चिम यूपी में किसान सियासत की दशा और दिशा तय करते हैं। सूबे की सरकार किसानों में साधने की कवायद कर रही है, जिसके तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान यूनियन के नेताओं से मिलकर उन्हें रिझाने का प्रयास किया है, लेकिन वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं, यह बीजेपी के लिए चिंता का सबब बन गया है, क्योंकि उपचुनाव 2022 का सेमीफाइल माना जा रहा है। हरियाणा में किसान सत्ता का भविष्य तय करते हैं। किसानों की नाराजगी के बीच बरौदा सीट पर उपचुनाव होने हैं।

बरौदा सीट कांग्रेस विधायक के निधन पर ही खाली हुई है, जिसे वह दोबारा जीतकर बरौदा में बीजेपी को मात देना चाहती है जबकि बीजेपी यह सीट जीतकर बहुमत के आंकड़े को मजबूत करना चाहती है। सोनीपत जिला की बरौदा सीट भी किसान बहुल क्षेत्र में है। कांग्रेस ने भाजपा की किसानों के सहारे घेराबंदी की है। बीजेपीजेजेपी सत्ता में हैं, ऐसे में यह सीट उनके लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है, जिससे यह तय होगा कि किसान किसके साथ खड़े हैं।

कांग्रेस किसानों को यह कहकर समझाने में सफल होती दिख रही है कि इस कानून के माध्यम से हरितक्रांति को हराने की यह बीजेपी की साजिश है। यही वजह है कि देशभर में 62 करोड़ किसान, मजदूर और 250 से अधिक किसान संगठन इन काले कानूनों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। लेकिन मोदी सरकार देश को बरगला रही है। अगर अनाज मंडी, सब्जी मंडी व्यवस्था यानी एपीएमसी पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी, तब कृषि उपज खरीद प्रणाली भी पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। ऐसे में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य कैसे मिलेगा, कहां मिलेगा और कौन देगा? खेती और मंडियां संविधान के सातवें शिड्यूल प्रांतीय अधिकारों के क्षेत्र में आते हैं, लेकिन मोदी सरकार ने प्रांतों से राय लेना तक उचित नहीं समझा। खेती का संरक्षण और प्रोत्साहन स्वभाविक तौरे से प्रातों का विषय है, लेकिन उनकी कोई राय नहीं ली गई।

प्रश्न यह है कि साल 2022 तक किसानों की आमदनी दुगुना कर देने का वादा करने वाली भारी बहुमत की परम लोकप्रिय केंद्र सरकार के इन विधेयकों का तीखा विरोध क्यों हो रहा है? आखिर किसानों को क्यों लग रहा है मोदी सरकार उनकी मंडियां छीनकर कॉरपोरेट कंपनियों को देना चाहती है? इसके उत्तर में यही कहा जा सकता है कि देश भर के किसानों को लग रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार इन अध्यादेशों के माध्यम से उनकी गुलामी की नई इबारत लिखने जा रही है, जिसमें भारत की कृषि पर मल्टीनेशनल कंपनियों के कब्जे का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। विपक्ष को आशंका है कि अध्यादेशों को वर्तमान कृषि संकट के उपाय के तौर पर पेश करके किसानों को दिग्भ्रमित करने के पूरे इंतजाम कर लिए गए हैं।

सुरेश गांधी
वरिष्ठ पत्रकार
www.womenexpress.in

सियासत ने कृषि बिल को बना दिया मंदारी का खेल?

केंद्र सरकार की तरफ़ से कृषि सुधार पर लाया गया बिल सत्ता और विपक्ष की राजनीति में मंदारी और सपेरे का खेल बन गया है। सरकार ने बीन बजाई और उसकी झोली से एक उम्दा किसानहित बिल निकल गया। लेकिन यह खेल दूसरे सियासी मदारियों को नहीं पच रहा है। कृषि सुधार के तीन विधेयकों पर सड़क से लेकर संसद तक की राजनीति गरमा गई है। एकबार किसान फ़िर सियासी मोहरा बन गया है। किसान, कितना मुनाफे और घाटे में होगा यह तो वक्त बताएगा लेकिन सत्ता और विपक्ष दोनों किसानों की चिंता में दुबले दिखते हैं। किसान हिमायती बनाने में संसद में जिस तरह माननीयों का दंगल देखने को मिला उसे अनैतिक राजनीति की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा। उपसभापति के आसन के सामने आकर माननीयों ने बिल की प्रतियों को फाड़ माइक तक तोड़ डाली। इस अमर्यादित आचरण के लिए सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलम्बित करना पड़ा। फ़िलहाल यह आचरण संसदीय मर्यादा के खिलाफ है हम किसी भी कीमत पर इसका समर्थन नहीं करते हैं।

देश का किसान हमेशा राजनीति का मोहरा बना है उस पर केवल राजनीति हो रही है। लेकिन अभी किसानों का आंदोलन पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित है। जबकि विपक्ष चाहता है कि इसकी आग पूरे देश में फैले। केंद्र सरकार बिल को लेकर इतनी उतावली क्यों है। बिल को पास कराने में उसने जल्दबाजी क्यों दिखाई। सरकार बिल पर मत विभाजन को क्यों तैयार नहीं हुई। सरकार वास्तव में अगर किसान हितैषी है तो इतनी जल्दबाजी दिखाने की क्या ज़रूरत है। सरकार बिल लाने के पूर्व इस बिल को क्यों किसानों के बीच लेकर नहीं गई। किसानों की राय लेना सरकार ने क्यों उचित नहीं समझा। सरकार विपक्ष के आरोपों पर क्यों सफाई देती फ़िर रही है। अखबारों में इश्तहार देकर नफे नुकासान बता रही है। यहीं काम उसने पहले क्यों नहीं किया। अगर विपक्ष मतविभाजन पर अड़ा था तो ध्वनिमत पर उसने भरोसा क्यों जताया। देश की 80 फीसदी मेहनतकश आबादी के भाग्य का फैसला जो बिल करने वाला है उसे ध्वनिमत से पास करना कहाँ का इंसाफ है। ध्वनिमत का प्रस्ताव विषम स्थितियों में होना चाहिए लेकिन अब यह उपाय सत्ता की कमजोरी बनता दिखता है।

केंद्र सरकार जिन तीन विधेयकों को ऐतिहासिक बता रही है उनमें एक कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य संवर्धन और सरलीकरण विधेयक है। इस बिल पर सरकार का कहना है कि यह बिल किसानों को पूरी उपज मंडी से बाहर बेचने की आजादी देता है। फ़िर क्या इसके पहले ऐसा नहीं होता था क्या। किसानों तो तब भी पूरी आजादी के साथ अपनी उपज को कहीं भी बेंच सकता था। सरकार का इस प्राविधान में यह दावा है कि इस बिल से किसान अपनी उपज को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जा सकता है। इस श्रेणी में कितने फीसद किसान आएंगे यह सरकार खुद जानती है। किसान अगर अपनी फसल मंडी से बाहर बेचेगा तो कहाँ बेचेगा। उसे खरीदने वाला कौन होगा। उसकी शर्त क्या होगी। किसान क्या अपनी शर्त के मुताबिक अपनी उपज बेंच पाएगा। आख़िर खरीदने वाली वह संस्थाएं कौन होंगी ? साफ जाहिर है की सरकार की यह नीति कॉरपोरट जगत को फायदा

दिलाएगी। लोकसभा और राज्यसभा से पास दूसरा बिल कृषक सशक्तिकरण से सम्बन्धित है। यह बिल पूरी तरह कॉरपोरट जगत पोषक बनता दिखता है। यह अनुबंध खेती को अधिक बढ़ावा देगा। मध्यमवर्गीय किसान को बहुत बड़ा फ़ायदा होने वाला फ़िलहाल नहीं दिखता है। तीसरा बिल आवश्यक वस्तु से सम्बन्धित है। जिसमें अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज़ आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का विधान करता है। इसका मतलब आवाश्यक वस्तुओं की जमाखोरी अब अपराध नहीं होंगी। कोई भी व्यापारी किसानों से इन वस्तुओं की खरीद कर जमाखोरी कर मुनाफा कमा सकता है। इससे बजार में आम आदमी के लिए संकट पैदा हो सकता है। आवश्यक और ज़रूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। आम आदमी की क्रयशक्ति से बाजार बाहर हो सकते हैं। ऐसा इस लिए भी होगा कि जब सरकार कह रही है कि किसान किसी भी कीमत पर मंडी से बाहर अपनी उपज बेंच सकता है। फ़िर क्या खरीददार किसानों को मुंहबोली कीमत चुका अपनी ऊँची कीमत बजार से नहीं वसूलना चाहेगा? अगर ऐसा होगा तो फ़िर सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य का क्या होगा।

बिल के बाद बजार पर क्या सरकार का नियंत्रण होगा कि कोई भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे किसान की उपज नहीं खरीद सकता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की शर्त क्या वर्तमान में लागू हैं ? वर्तमान समय में किसानों का विश्वास जीतने के लिए गेहूँ की एमएसपी 50 रुपए बढ़ा दिया है। अब यह 1925 के बजाय 1975 रुपए प्रति कुंतल (एमएसपी) होगी। लेकिन आम किसान 1400 से 1500 रुपए में खुले बजार और साहूकार अपनी उपज बेंच रहा है, फ़िर एमएसपी का क्या फायदा। इससे आम किसान को कोई लाभ होने वाला नहीं है। इस हालत में कृषि के लिए बजार नियंत्रण प्रणाली की ज़रूरत है। सरकारी खरीद तो एक निश्चित सीमा और समय तक होती है जबकि किसान अपनी उपज तभी बेचता है जब उसे अगली फसल की बेहतर उम्मीद होती है। क्योंकि उसे कृषि लागत निकालने के साथ परिवार का पेट भरने की जरूरत पड़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कृषि बिल को किसानों के लिए नया अध्याय बताया है। उन्होंने विपक्ष पर किसानों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि मंडी परिषद नहीं ख़त्म होगी और न्यूनतम समर्थन मूल्य जारी रहेगा। यहीं वजह रही कि सरकार ने समय से पहले फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ा दिया। किसान संगठनों का आरोप है कि नए क़ानून के लागू होते ही कृषि क्षेत्र भी पूँजीपतियों के हाथ में चला जाएगा। कॉरपोरट जगत अपनी शर्तों पर किसानों से अनुबंध करेगा। अपने माफिक खेती कराएगा। मंडी समितियां ख़त्म हो जाएंगी। जिसकी वजह से किसानों की बोली नहीं लग पाएगी उसकी उपज का समुचित मुनाफा नहीं मिलेगा। देश के जानेमाने कृषि विशेषज्ञ देवेंद्र शर्मा किसानों की इस आशंका को सच मानते हैं। बीबीसी से बातचीत में उन्होंने कहा है कि किसानों को अगर बाज़ार में अच्छा दाम मिल ही रहा होता तो वो बाहर क्यों जाते। जिन उत्पादों पर किसानों को एमएसपी नही मिलती, उन्हें वो कम दाम पर बेचने को मजबूर हो जाते हैं। आने वाले समय में ये होगा कि धीरेधीरे मंडियां ख़त्म होने लगेंगी। उन्होंने आशंका जताई है कि तीन लाख मंडी मज़दूरों के साथसाथ क़रीब 30 लाख भूमिहीन खेत मज़दूरों के लिए यह जोखिम भरा होगा। देश में कृषि सुधार एक अहम ज़रूरत है लेकिन किसान और मजदूर हमेशा वोटबैंक की राजनीति का हिस्सा रहा है। यह विषय राजनीति से ऊपर उठ कर है लेकिन सम्भव नहीं दिखता है। इस अहम बिल पर सरकार को विपक्ष की बात को तरजीह देनी थीं, लेकिन सरकार ऐसा नहीं किया। लॉकडॉन में अगर भारत की कृषि अर्थव्यवस्था इतनी मज़बूत न होती तो क्या हालात होते इसकी कल्पना की जा सकती है। ऐसे में किसानों पर राजनीति बंद होनी चाहिए।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार
www.womenexpress.in

कोरोना काल में पंचायत चुनाव का औचित्य

राजस्थान में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। हर दिन पिछले दिने से अधिक नए कोरोना संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। पिछले दिन तक प्रदेश में एक दिन में सर्वाधिक 1981 करोना संक्रमित लोग मिले थे। जो एक दिन में मिले सबसे अधिक केस हैं। इस दिन प्रदेश में कोरोना से 15 लोगों की मौतें भी हुई है। राजस्थान में कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या बढ़कर एक लाख 23 हजार हो चुकी है। कोरोना से प्रदेश में मरने वालों का आंकड़ा 1397 तक पहुंच गया हैं। हालांकि कोरोना से प्रदेश में एक लाख तीन हजार लोग ठीक भी हो चुके हैं। लेकिन अभी भी प्रदेश में कोरोना के 20 हजार सक्रिय मरीज होना बड़ी चिंता की बात है। राजस्थान में कोरोना से ठीक होने वालों की रिकवरी रेट 83.38 प्रतिशत है। मगर फिर भी प्रदेश में 16.62 प्रतिशत लोग प्रदेश के अस्पताल में कोरोना संक्रमण का उपचार करवा रहे हैं। प्रदेश का हर आदमी कोरोना के बढ़ते प्रभाव से डरा हुआ है। कोरोना के कारण प्रदेश में जनजीवन अभी तक सामान्य नहीं हो पाया है। ऐसे माहौल में प्रदेश सरकार आगामी 28 सितंबर से 10 अक्टूबर तक प्रदेश में 3848 ग्राम पंचायतों में सरपंचों व पंचों के चुनाव करवाने जा रही है। जिससे कोरोना के और अधिक सामुदायिक फैलाव की आशंकाएं जताई जा रही है। कोरोना के बढ़ते प्रभाव के कारण राज्य सरकार ने प्रदेश में सर्वाधिक कोरोना प्रभावित 11 जिलों में धारा 144 फिर से लागू कर दी है। ताकि लोगों के घरों से निकलने को नियंत्रित किया जा सके। मगर गांवो में होने वाले ग्राम पंचायतों के चुनाव में लोगों को नियंत्रित किया जाना मुश्किल है। चुनाव लड़ने वाला हर दावेदार अपने समर्थकों के साथ घरघर जाकर प्रचार कर रहे हैं।

हालांकि राज्य सरकार ने पंचायत चुनाव को लेकर एक गाइड लाइन जारी की है। जिसमें चुनाव प्रचार करने पर कई तरह की बंदिशें लगाई गई है। मगर गांव में जाकर हकीकत देखे तो चुनाव के लिए लगाई गई बंदिशें कहीं भी नजर नहीं आ रही है। झुंझुनू जिले की मलसीसर ग्राम पंचायत में चुनाव लड़ रहे एक उम्मीदवार द्वारा कोरोना गाइड लाइंस

का पालन नहीं करने पर उपखंड अधिकारी शकुंतला चैधरी ने सरपंच प्रत्याशी डालचंद पर 8 हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। राज्य सरकार एक तरफ तो कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए गांव में लगातार अभियान चला रही है। लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। प्रदेश के स्कूल, कॉलेज बंद पड़े हैं। आगामी 31 अक्टूबर तक प्रदेश में सभी तरह के बड़े आयोजनों पर रोक लगाई गई है। विवाह में 50 व अंतिम संस्कार में 20 लोगों की अधिकतम संख्या तय की गई है। शादी की सूचना समय से पहले उपखंड अधिकारी को देनी जरूरी है। ऐसी परिस्थिति में राज्य सरकार का प्रदेश में पंचायत चुनाव करवाने का निर्णय किसी के गले नहीं उतर रहा है। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी व वोट देने वाले मतदाता दोनों ही डरे हुए नजर आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत चुनाव में भी सरकार पूरी पंचायती राज प्रक्रिया के चुनाव नहीं करवा रही है। सिर्फ सरपंचों व पंचों के चुनाव करवा रही है। राजनैतिक दलों के चुनाव चिन्ह पर होने वाले ब्लॉक सदस्यों, जिला परिषद के सदस्यों, ब्लॉक प्रमुख व जिला परिषद के प्रमुखों के चुनाव की कहीं कोई चर्चा नहीं है।

प्रदेश में पंचायत चुनाव के साथ ही नगरीय निकायों के चुनाव भी लंबित है। सभी जगह प्रशासक लगे हुए हैं। राजस्थान हाई कोर्ट के भी निर्देश हैं कि नगरीय निकायों के चुनाव यथाशीघ्र करवाई जाएं। उसके बावजूद सरकार हाईकोर्ट में नगरीय निकाय चुनाव करवाने में असमर्थ जताते हुए कोरोना के बहाने उनको आगे खिसकाने का प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्र में पंचायतों के चुनाव करवा रही हैं। लोगों का मानना है कि यह सरकार की दो मुही नीति है।

कोरोना के चलते ही सरकार ने विधानसभा के पिछले सत्र को भी समय पूर्व ही समाप्त कर दिया था। उस समय सरकार का कहना था कि कोरोना के बढ़ते प्रभाव के कारण विधायकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विधानसभा का सत्र समय पूर्व ही समाप्त किया जाता है। वहीं दूसरी तरफ सरकार प्रदेश में पंचायतों के चुनाव करवा कर लोगों के जीवन को खतरे में डाल रही है। चुनाव के कारण प्रदेश में लगी आचार संहीता के चलते सरकारी कार्यालयों में लोगों के काम नहीं हो पा रहे हैं। इससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कोरोना संक्रमण के चलते राजस्थान में अभी चुनाव कराने का सही समय नहीं है। प्रदेश में किसान अपनी फसल कटाई में जुट गए हैं। चुनाव के दौरान बहुत से नागरिक के बेवजह ही कोरोना संक्रमित लोगों के संपर्क में आने की संभावना बनी रहेगी। चुनावी प्रक्रिया में लगे सरकारी कर्मचारियों की भी कोरोना जांच नहीं करवाई जाती है। चुनावी प्रक्रिया में लगा कोई कर्मचारी यदि कोरोना पॉजिटिव निकल जाता है तो उससे काफी लोगों के संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। सरकार द्वारा अभी चुनाव करवाना एक तरह से लोगों पर जबरन चुनाव थोपने जैसा है।

रमेश सर्राफ झुंझुनू
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

पं दीनदयाल उपाध्याय- प्रखर राष्ट्रवादी एवं अंत्योदय के प्रणेता

एक भारतीय विचारक, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, इतिहासकार और पत्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार और भारतीय जनसंघ (वर्तमान, भारतीय जनता पार्टी) के अध्यक्ष भी बनने वाले महान व्यकितत्व का नाम है पं दीनदयाल उपाध्याय।जैसा कि विदित है दीनदयाल उपाध्याय द्वारा स्थापित 'एकात्म मानववाद' की अवधारणा पर आधारित राजनितिक दर्शन भारतीय जनसंघ (वर्तमान भारतीय जनता पार्टी) की देन है। उनके अनुसार 'एकात्म मानववाद' प्रत्येक मनुष्य के शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का एक एकीकृत कार्यक्रम है।उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत पश्चिमी अवधारणाओं जैसे व्यक्तिवाद, लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद पर निर्भर नहीं हो सकता है।

उनका विचार था कि भारतीय मेधा पश्चिमी सिद्धांतों और विचारधाराओं से घुटन महसूस कर रही है, परिणामस्वरूप मौलिक भारतीय विचारधारा के विकास और विस्तार में बहुत बाधा आ रही है। उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान भारत द्वारा पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता और पश्चिमी लोकतंत्र के समर्थन का विरोध किया।

उन्होंने लोकतंत्र की अवधारणा को सरलता से स्वीकार कर लिया, लेकिन पश्चिमी कुलीनतंत्र, शोषण और पूंजीवादी मानने से साफ इनकार कर दिया था। अपना जीवन लोकतंत्र को शक्तिशाली बनाने और जनता की बातों को आगे रखने में लगा दिया। वे अत्यंत विनयशील और राष्ट्र को समर्पित व्यक्ति थे।

पं.दीनदयाल उपाध्याय आधुनिक युग के एक कर्मयोगी थे।वे प्रति क्षण अपने राष्ट्र के लिए कार्य करते थे।वे इतनी सादगी से रहते थे कि उनके बडे होने का अनुमान भी नहीं लगा सकता था।राजनीति में लगातार सक्रियता के बाद भी वह अध्ययन व लेखन के लिये समय निकालते थे। इसके लिये वह अपने विश्राम से समय कटौती करते थे। इसी में लोगों से मिलने जुलने और अनवरत यात्राओं का क्रम भी चलता था। आमजन के बीच रहना उन्हें अच्छा लगता था। शायद यही कारण था कि वह देश के आम व्यक्ति की समस्याओं को भलीभांति समझ चुके थे। यह विषय उनके चिंतन व अध्ययन में समाहित था।

वह इस पर विचार करते हैं कि अपने देश व समाज के लिये कौनसा मार्ग कल्याणकारी होगा। पं. दीनदयाल ने यही किया। वह भविष्य द्रष्टा थे। भविष्य की समस्याओं को भी वह देखते थे। उनके प्रति वे सावधान करते थे। उन्होंने उस समय चर्चित विचारधाराओं या वाद पर गहनता से विचार किया था। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय महान चिंतक थे. उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानव दर्शन जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि हिन्दू कोई धर्म या संप्रदाय नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय संस्कृति हैं। पं दीनदयाल उपाध्याय की प्रखर राष्ट्रवादी नीति, एकात्म मानववाद का उद्देश्य प्रत्येक मानव को गरिमापूर्ण जीवन प्रदान कराना है एवं 'अंत्योदय' अर्थात समाज के निचले स्तर पर स्थित व्यक्ति के जीवन में सुधार करना है।उनका यह दर्शन भारत जैसे कल्याणकारी देश में सदैव प्रासंगिक रहेगा।

कुलदीप बरतरिया
(शिक्षक, लेखक एवं कवि)
गाजियाबाद ।
www.womenexpress.in

जीवन है संघर्ष पथ इस पर तू चलता चल

जीवन है संघर्ष पथ इस पर तू चलता चल
हौसलों के दम पर कदम आगे बढ़ाता चल
मंजिल दुर्गम हो या दूर धैर्य तू बनाएं रख
संयम के साथ अपनी मंजिल की ओर बढ़

पथ हो कंटक भरा इच्छाशक्ति दृढ़ रख
पर्वतों को चीर कर राह अपनी बनाता चल
स्वयं को सुदृढ़ बना तूफ़ान से टकराता चल
ठोकरों से अपने तू पत्थर को धूल बनाता चल

कोई साथ ना दे अगर अकेले ही चलता चल
पथ की बाधाओं को हंसकर पार करता चल
विचलित हो हृदय अगर विश्वास को रगों में भर
निरंतर प्रयास करके मेहनत से आगे बढ़ता चल

हौसला बुलंद कर लक्ष्य से तू मत भटक
जीवन के झंझावातों से डटकर मुकाबला कर
हृदय के तमस को नव आशा से दूर कर
दीपक सा जलकर जगत को आलोकित कर

संघर्षों में पलकर भी सफलता के सोपान चढ़
कांटो के बीच रहकर भी सदा मुस्कुराता चल
अपनी सुगन्ध से जगत को महकाता चल
ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान का अंधकार हर

सूर्य के समान नव ऊर्जा का संचार कर
वीरता रगों में भरकर शौर्य की पहचान बन
धूप में तपकर तू कुंदन सा निखरता चल
धैर्य और हिम्मत से संघर्ष पथ पर चलता चल।।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

जिंदगानी

मानव जाति की इतनी सी कहानी है
नदी की बहती धार सी जिंदगानी है!
मुश्किलों भरा है सफर यह यकीनन
हमारे हौसले ने भी हार कब मानी है!

सफर का मजा है जब भार कम रहे
हंसतेहंसते ही ये जिंदगी बितानी है!
यूँ मिलते हैं बिछड़ते हैं सफर में सभी
मन महका देतीं अक्सर यादें पुरानी हैं!

सच्चाई का वरण करें मिथक को त्यागें
हृदय में प्रीति की इक शमां जलानी है!

कदाचित मुश्किलों से जो घबराए नही
वही सच्चा पौरुष है औ वही जवानी है!

परमार्थ इसीलिए भी करते रहना मीना
एक दिन तो हो ही जाना आसमानी है!

मीना सामंत
एमबी रोड, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

आँखे नही चुरानी पड़ेगी

हे इंसान ! कर्मों की कीमत चुकानी पडेगी,
तुमसे हुई गलती पर गर्दन झुकानी पडेगी।
बदी से भारी पलडा होगा नेकी करने से,
दिल में रहम की खेती तुम्हे उगानी पडेगी।

विनय फल का मधुर स्वाद अगर चखना है,
अभिमान की खरपतवार तो हटानी पडेगी।
जीवन बगिया में महके भीना भीना प्यार,
दिल की दौलत दिलदारी से लुटानी पडेगी।

गलत सहयोग की चाहत दिल में पालेगा,
तुम्हे भी झूठ संग हाँ में हाँ मिलानी पडेगी ।

प्राणांत को सुखद देख सके तेरे अपने,
जीवनवृत कथा ऐसी तुम्हे बनानी पडेगी।
ईमान की गाडी में तुम सफर करोगे तो,
सीमा किसी से आँखे नही चुरानी पडेगी।

सीमा लोहिया
झुंझुनू (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

न देर करना न कुछ जल्दी कर देना

न देर करना न कुछ जल्दी कर देना।
रोली की डिबिया में न हल्दी कर देना।।

सोच के चलना है समझना भी बहुत है,
मासूमियत की दरकार पे न अक्लमंदी कर देना।।
दो साथी चलें जब संग जीवन जीने,
इसको बंदा न उसको बंदी कर देना।।

हमराह चाहे जो तुम्हारा कुछ देर ठहरना,
कदमों की रफ़्तार अपने ज़रा मंदी कर देना।।

बदलते मौसम कभी लायेंगे उदासी सी,
भेंट में नाम संगी के, तुम मेला नौचंदी कर देना।।

अंत तक की बात पे, अनंत तक के साथ पे,
बात सच कहना मग़र हरकत न कोई गंदी कर देना।।

निधि चौधरी
www.womenexpress.in

हर कोई रो रहा है...

मैंने देखा एक सपना,
भगवान रो रहा है,
इन्सान को हर सुख दिया,
अपने कर्मों से रो रहा है।

ऋषि मुनि भी रो रहे है,
त्याग व्यर्थ हो गया,
सभ्यता संस्कार सब कुछ खो रहा है।

देवता भी रो रहे है,
धरती के प्रदुषण से,
स्वर्ग भी प्रदुषित हो रहा है।
पृकृति भी रो रही है,
मनुष्य का भरण पोषण करती हूं,
मनुष्य मुझको ही नष्ट कर रहा है।

महापुरुष भी रो रहे है,
बलिदान बेकार हो गया,
नेता ही देश को खोखला कर रहा है।

हिन्दी भी रो रही है,
आज कि युवा ,
अंग्रेजी कि गुलाम हो रही है।

रूपयापैसा भी रो रहा है,
आज का नेता,
कालेधन के रूप में विदेश भेज रहा है।

त्राही त्राही मची है,
हर तरह से मनुष्य,
सृष्टि को विनाश कि ओर अग्रसर कर रहा है।

प्रियंका पांडेय त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

टूटी सी आश

खुशनुमा खूवाबों का मौसम
ले रहा अंगड़ाइयाँ
सर्द सी चलती हवाये
संग ज्यों परछाइयाँ।
आश पूरित स्वप्न लेकर
गा रहा मन झूम कर।
मन की आशाये सवरती
बज रही शहनाईयां।
स्वप्न में,आशा से भरे दृग
चपल, चंचल हो चले
ताकतें नित राह को हैं ढूंढते,
नित प्राण को।
टूटती सी आश में भी
मन शांत हो अविचल खड़ा
क्षण तनिक क्या सोच
यह दृग सजल फिर हो चले।
फिर बढ़ चली यह रात्रि भी
अंतिम प्रहर के रैन में
चंद्र भी धूमिल निशा है
बढ़ रही अवसाद में।
हाय !यह दिन भी गया
प्रिय तुम्हारी याद में
आश बन कर रह गयी
शहनाइयाँ फिर ख्वाब में।

नीरजा बसंती
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मन भावन प्रियसी

सुन्दर मुख गौर शरीर,
नयन दोउ मन भावन।
लट झूलत दोनों कपोल पर,
कुण्डल सोहत कानन।।

हाँथो मे कंगन सोहत,
बिन्दी बढ़ावत मान।
मानो हंसी बोलन में,
विकसत है कमल समान।।

पाँव मे पैजनियाँ बाजत,
मधुर मधुर सुहाई ।
कटि कमर करधनी विराजत,
देखत मन लुगाई।।

सोलह वर्ष की बाला थी,
पढ़ती थी विद्यालय में।
ब्याह हुई अपनी घर आई,
खाट बिछाई आँगन में ।।

हँस करके पति देव ने पूँछा,
क्या है? प्यारी तेरी मन में।
उछलकूद के बोल पड़ी,
बरसो घनश्याम इसी वन में।।

देबीदीन चन्दवँशी
अनूपपुर , मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

रेत सी फिसलती जिंदगी

ये जिंदगी क्या क्या दिन दिखाती जा रही है,
कभी हँसना कभी रोना सिखाती जा रही है।

अज़ब सा खेल है इस दुनिया के दस्तूर का
जिंदगी मुट्ठी में रेत सा फिसलती जा रही है।।
जिंदगी समय की धारा से बहती जा रही है,
राह की चाहें कितनी भी कठिन जा रही है।
असमंजस में हूँ मैं ये कैसा पड़ाव जीवन का
फिर भी मंजिल रेतसी निकलती ही जा रही है।।

जिंदगी हरपल मुट्ठी से निकलती ही जा रही है,
बहुत खूबसूरत जीवन हमसें ही दूर जा रही है।
आया बहुत तेज़ी से शीतल पवन का झोंका
हम समय के हाथ की कठपुतली सी नचा रही है।।

भावना गौड़
ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

देश जब बिकने लगे जब देशहित के नाम पर

देश जब बिकने लगे जब
देशहित के नाम पर
छूट मिल जाती है सारे साधनों
के दाम पर
मोद हैं सब दरखतों के ठूंठ
को भी काटकर
आस फिर भी है टिका पीले
रसीले आम पर
बेचते हैं वोट अब पैसे
शराबों पर यहां
मत कहां मिलते हैं अब भी
उन्नति के काम पर
मौत का जंजीर लटका है यहां
अब हर सहर
नाचते हैं लोग अब भी जोश में
हर शाम पर
जीत का है सेहरा वो बांधता
सर पर अकेले
ठीकरा नाकामियों का
फोड़ता आवाम पर

जितेन्द्र कुमार चंचल
औरंगाबाद, बिहार ।
www.womenexpress.in

सबको माफ कर दे

एक बार हे विधाता हम सबको
माफ़ कर दे
कांटे रहएहयात से सभी के
साफ़ कर दे

नामोनिशान भी ना हो कहीं
गोले बारूदों का
दुनियाएरंजिशो के साज़ोसामान
ख़ाक़ कर दे
एक बार हे विधाता...

हर एक दिल में भर दे बस
नेकियों के चाहत
पाकीज़गी से इस जहां को तू
फिर आबाद कर दे
एक बार हे विधाता...

न करें जो कद्र नारियों की और
मरवाए बेकसूर साधुओं को
ऐसे आसुरी शक्तियों का समूल
नाश कर दे
एक बार हे विधाता....

बिछड़ों को फिर मिला दे सारे
गिले मिटा दे
और हिज़्र के मारो को नदीमों
के साथ कर दे
एक बार हे विधाता.....

जिन गुनाहों के सज़ा में अब
इंशा कैदएमकां है
उनको भुला कर नष्ट सारे
संताप कर दे
एक बार हे विधाता....

ओ सर्वशक्तिमान सबक ले
चुकी ये दुनिया
रहमोंकरम से मित्रतों का इंसाफ
कर दे
एक बार हे विधाता...

बीना राय
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

शिक्षित बेटी

नारी री शक्ति ने समझो,
समाज रो उद्धार करजो।
समझदार पढ़ियोड़ी बेटी,
दोही परिवारां में रेवे मैठी।।

जो पुत्र पुत्री रो भेद राखे,
नर्क भवन रा दरवाजा माथे।
निरक्षर होई मानव जमारों खोवे,
अशिक्षित बेटी माँबाप ने रोवे।।

बेटाबेटी में भेद छोड़ो,
समान भाव सूँ स्कूल से जोड़ो।
शिक्षित परिवार ताजीवन सुखी होवे,
अनपढ़ परिवार खुद रा किस्मत ने रोवे।।

हे! संसार रा मेठा मोनवियो सुणो,
नारियों रे पढ़वा रो इतिहास है जुणो।
इंदिरा, वसुंधरा, पाटिल बण ने आवे,
कल्पना बणने दूनिया में परचम फहरावें।।

जे दागीना रो रुपियों बछावें,
टाबरां ने सच्चे मन सूँ पढ़ावें,
वो ही मानुष समझदार कहावें,
शिक्षा रो गाँव गाँव में प्रसार करावें,
वो ही मानव सरगांभवन में जावे,
पढ़ाई बिना हर क्षेत्र मे है अंधेरों,
कहे कवि देवासी अनुभव है मेरों।।

बेटी जब स्कुल जावें,
माँ बाप रो नाम कमावें।
हे मानव ! अनपढ़ गोता खावे,
काले पढ़ियोड़ो रो जमानों आवे।।

कहत कवि देवासी पाबु,
छोराछोरी ने राखो काबु।
फोन स्कुटर पाछा लेजो ,
कलमकिताब हाथ में देजो।।

देवासी पाबुराम
धामसीन (रानीवाड़ा)
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

नशे के ही जाल में

सुनहरी मछलियां फंसी हैं नशे
के ही जाल में,
कितनी ही हस्तियां कसी हैं
भटके से बवाल में।

जांच बढ़ी गहराई से चलचित्री
विश्वास हिलेगें,
खाल निकाली जायेगी अब हर
सुंदर से बाल में।
किसने काहे नशा किया व
खरीदा किससे ये,
नायिकाएं ये बोलेगीं क्यों फसीं
हैं वे जंजाल में।

सूची में शामिल नायक अंदर
से हिल जायेंगे,
निकलेगें बाहर वो बिल से जो
छिपे पाताल में।

चेहरों पे उड़ रही हवाई व रातों
की नींद उड़ी,
मदहोशी की रंगत जाती दिखती
है वो चाल में।

असली नायक वो हैं जो लगे
देश की रक्षा में,
नकली किरदार खुशियाँ ढूंढें
नशे के दलाल में।

संजय कुमार भारद्वाज
टनकपुर, उत्तराखंड ।
www.womenexpress.in

यह झूठा है जग संसार

झूठा आरोप लगाकर
मत करो बदनाम लीलाजी,
अभी कदमों में खड़ा हुआ हूं
कमाना बाकी है नाम लीलाजी

जल जल कर चलते हुए
आप आखिर जाओगे कहां,
मिल जाओगे कभी ना कभी
प्रेम की मिट्टी में यहां

सुंदर है हर सुबह
और रंगीन है शाम,
अभी कदमों में खड़ा हुआ हूं,
कमाना बाकी है नाम
चलता हूं जब राह में
लोग खींचते हैं टांग,
रखकर बुरे भाव को
आप नफरत का पीते हो भांग

पर मेरी नजरों में
सभी हैं एक समान,
अभी कदमों में खड़ा हुआ हूं,
कमाना बाकी है नाम

रावत! झूठा आरोप
क्यूं लगाया लीलाजी,
बैठेबैठे निंदा करते
उनको हो जाते हैं रोग

ईश्वर करेगा न कभी माफ
यह कहना है मेरा साफ ।
गलत का परिणाम मिलेगा जरूर...
लीलसा! आत्मा दिलोंदिमाग में
झांक ।।

सूबेदार रावत गर्ग उण्डू
बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

लोग क्या कहेंगे

सारी उम्र बित गई
सोचते सोचते कि
लोग क्या कहेंगे...
जब भी मन हुआ
कुछ कर गुजरने का
घर से बाहर निकल
सफलता प्राप्त करने का
ना कर सके यह सोच
कि लोग क्या कहेंगे...
मन में उमंगे उठती रही
कुछ कर दिखाने की
उमंगे मर गई यह सोच
कि लोग क्या कहेंगे...
ये काम मत करना,
वो काम मत करना
बाहर किसी के साथ
मत हंसना बोलना
यह सोच
कि लोग क्या कहेंगे...
जब भी मन हुआ फिर से
बच्चा बन नाचने कूदने
शैतानी करने का
ना कर पाएं यह सोच
कि लोग क्या कहेंगे...
हर इच्छा को दबाते गए
अपने मन को समझाते गए
यह सोच
कि लोग क्या कहेंगे...
फिर एक समय ऐसा आया
हमने अनुभव किया
हमारे बारे में सोचने के
लिए वक्त ही नहीं है
किसी के पास
बेमतलब हम पूरी उम्र
कुछ ना कर पाएं, यह सोच
कि लोग क्या कहेंगे...

फरहीन खान
नईम नगर बेनाचिती, दुर्गापुर ।
www.womenexpress.in

कैसे गाएँ गीत मल्हार

आज़ धरा पर कैसी विपदा छायी?
एक वायरस ने सबको
किया धराशायी,
हर ओर हैं दुख के
काफिले थम गया संसार,
सखी रे! कैसे गाएँ गीत मल्हार ?

सीमा पार कितने सैनिकों
ने अपनी जान गँवाई?
राखी बिन कितने भाईयों
की सूनी पड़ी क़लाई?
कब आयेंगे भाई मेरे आँसू
भरे नयनों से बहनें ताकें द्वार ?
सखी रे ! कैसे गाएँ गीत मल्हार?

छल कपट से मातु जानकी
गयी चुरायी,
लाज बचाने को भरी सभा
में द्रोपदी ने गुहार लगायी,
कहाँ छुपे हो गिरधर मेरे
कर दो मेरा उद्धार?
सखी रे ! कैसे गाएँ गीत मल्हार?

ज़ब सावन की घटायें बरखा
बनके छायें,
बागों में पड़े हैं झूले मन
मचला सा ज़ाये,
उस विरहन को कौन
सम्हाले ज़िसके प्रियतम
हैं उस पार ?
सखी रे ! कैसे गाएँ गीत मल्हार ?

कहाँ गया वो ईश्वर सर्वव्यापी ?
रोता है धर्म यहाँ पर हँसते हैं पापी,
काम,क्रोध ,लोभ,मोह ने
पाँव दिये पसार,
सखी रे ! कैसे गाएँ गीत मल्हार ?

आभा सिंह
लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जिंदादिली से जिंदगी है

जिंदादिली से जिंदगी है,
कर जिंदगी को जिंदादिल ।
प्यार भर इतना जिगर में,
बन जा प्यार के काबिल ।

कौन जाने कब कहां ,
हो जाए शाम्ए जिंदगी ।
मिले जो तोहफ़ाए मोहब्बत ,
कर ले उसकी बंदगी ।
चल चला चल तू सदा ,
जिंदगी की राह पर ।
मिले जो हम राह कोई ,
प्यार कर बस प्यार कर ।

है बड़ी बेरंग सी बोझिल ,
ये जीवन की डगर ।
छिटक जाए चांदनी ,
मिले जो प्रिय तुम अगर ।

मुस्कुरा कर कुछ खुशी के,
रंग जो भर दो अगर ।
फूल कलियां और खुशबू ,
मिले हर राहें डगर ।

जिंदादिली से जिंदगी है ,
कर जिंदगी को जिंदादिली ।
प्यार भर इतना जिगर में ,
बन जा प्यार के काबिल ।

मधुलिका राय
गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आईपीएलः धीमी ओवर गति के कारण आरसीबी के कप्तान कोहली पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

(मानव शर्मा)

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के छठे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को किंग्स इलेवन पंजाब के सामने न सिर्फ हार का सामना करना पड़ा बल्कि मैच के दौरान कप्तान विराट कोहली पर स्लो ओवर रेट के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। टीम ने ओवर समाप्त करने में निर्धारित समय से अधिक समय लगा लिया जिसके चलते ये जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से जारी की गई प्रेस रिलीज के मुताबिक, आईपीएल के न्यूनतम ओवर गति उल्लघंन से संबंधित आचार संहिता के अंतर्गत उनकी टीम का ये सीजन का पहला उल्लघंन था, कोहली पर 12 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया। लीग के नियम के मुताबिक लगातार ऐसी गलती दोहराने पर मैच से कप्तान को सस्पेंड भी कर दिया जाता है। दरअसल, इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम के गेंदबाजों की जमकर सुताई हुई। जिसके कारण कप्तान विराट को थोड़ीथोड़ी देर पर गेंदबाजों को समझाने आना पड़ रहा था। ऐसे में

मैच निर्धारित समय से आगे निकल गया। वहीं दूसरी ओर पंजाब के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी के दौरान जमकर चौकेछक्के लगाए जिसके चलते उनकी पारी करीब 1 घंटा 51 मिनट तक चली, जो नियमों के खिलाफ साबित हुई और इसका जुर्माना कप्तान विराट पर लगा। कोहली के लिये दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया यह मैच भुलाने लायक था क्योंकि उन्होंने किंग्स इलेवन पंजाब के शतकवीर कप्तान लोकेश राहुल (69 गेंद में 132 रन) के दो कैच भी छोड़े थे जो उनकी टीम के लिये मंहगे साबित हुए और वह बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। कोहली ने राहुल के तब कैच छोड़े जब वह 83 रन और 89 रन पर खेल रहे थे। मालूम हो कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। आईपीएल 2020 में दोनों टीमों के बीच पहली बार भिड़ंत हुई। पहली पारी खेलते हुए किंग्स इलेवन पंजाब ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सामने रखा 207 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसका पीछा करते हुए आरसीबी की शरुआत काफी खराब रही और अंत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को करारी हार का सामना करना पड़ा।

मैच से पहले नर्वस था लेकिन जमने के बाद शॉट खेलेः राहुल

दुबई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 132 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि वह मैच से पहले कुछ नर्वस थे लेकिन उन्हें पता था कि यदि एक बार वह विकेट पर जम गए तो अपने शॉट खेलेंगे। राहुल ने मात्र 69 गेंदों पर 14 चैकों और सात छक्कों की मदद से नाबाद 132 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेली थी जिसकी बदौलत पंजाब ने बेंगलुरु को 97 रनों के बड़े अंतर से हराकर आईपीएल में अपनी पहली जीत हासिल की। राहुल को उनकी पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। पंजाब के कप्तान ने गुरूवार को मैच के बाद कहा, 'मैं मैच से पहले कुछ नर्वस था। मैंने मैच से एक दिन पहले मैक्सवेल से चर्चा की थी और उन्होंने मुझसे पूछा था कि आपको कैसा लग रहा है। मैं उनसे कहा था कि मुझे ऐसा नहीं लग रहा कि मेरी बल्लेबाजी नियंत्रण में है। उस वक्त उन्होंने मुझसे कहा कि आप मजाक कर रहे हैं और आप अच्छा हिट करते हैं। ईमानदारी से कहूं तो मैं बैचेन था।

दीपिका के घर के बाहर बढ़ी सुरक्षा, पत्नी के लिए रणवीर सिंह ने एसीबी से किया अनुरोध

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 25 सितंबर। युवा अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में ड्रग्स एंगल आने के बाद अब तक कई बॉलीवुड हस्तियों का नाम सामने आ जा चुका है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मामले में ड्रग्स एंगल की जांच तेज कर दी है। एनसीबी पूछताछ के लिए अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर और रकुल प्रीत सिंह सहित कई हस्तियों को समन जारी किया है। मामले में करीब 39 सेलिब्रिटी एनसीबी के रडार पर हैं। रकुल प्रीत सिंह शुक्रवार को ड्रग्स मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के दफ्तर पहुंची। दीपिका पादुकोण की मैनेजर करिश्मा प्रकाश भी एनसीबी के गेस्ट हाउस पहुंची हैं। इससे पहले गुरुवार को फैशन डिजाइनर सिमोन खंबाटा पूछताछ के लिए एनसीबी दफ्तर पहुंची थी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने दीपिका पादुकोण को समन

भेजकर उन्हें पूछताछ के लिए ऑफिस बुलाया है। दीपिका पादुकोण से पहले आज पूछताछ की जानी थी, लेकिन आज उनका कोविड टेस्ट किया जाएगा। इसके बाद 26 सितंबर उनसे पूछताछ की जाएगी। दीपिका गुरुवार देर शाम गोवा से मुंबई आ गई है। दीपिका पादुकोण के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दीपिका से एनसीबी की टीम शनिवार को पूछताछ करेगी। दीपिका के पति अभिनेता रणवीर सिंह ने एनसीबी से अनुरोध किया है पूछताछ के दौरान उन्हें दीपिका के साथ रहने दिया जाए। एनसीबी को दिए अपने आवेदन में रणवीर ने कहा है कि दीपिका पादुकोण को कभीकभी घबराहट होती है, इसलिए उन्हें उनकी पत्नी के साथ रहने की अनुमति दी जाए। ड्रग्स मामले में जया साहा से पूछताछ के दौरान इनका नाम सामने आया था। जया साहा सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती की टैलेंट मैनेजर रही है। जया साहा ने पूछताछ में कुछ अहम जानकारी दी है। जया साहा की व्हाट्स एप चैट से ही दीपिका पादुकोण और श्रद्धा कपूर का नाम सामने आया है। करिश्मा के व्हाट्स एप चैट में डी के साथ ड्रग्स के बारे में बातचीत सामने आई है। एनसीबी जानना चाहती है कि यह डी नाम का शख्स कौन है। एनसीब ने अभी तक इस मामले में 12 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती भी शामिल हैं।

इतनी बोरिग नहीं थी मैं

जब मैं बच्ची थी तब मैं भी ,
तुम्हारे जैसी चंचल थी।
इतनी बोरिग नहीं थी मैं,
जितनी आज तुम्हे लगती हूँ।
इतनी जिम्मेदारिया निभाते,
कब बोरिग हो गई पता
ही नहीं चला।
पति की जिम्मेदारी ,सास
ससुर की सेवा,
और इस बीच तुम्हे सम्भालना।
इन सबके बीच मेरा अस्तित्व
ही खो गया,
ना जाने हंसी कब गायब
हो गई।
मेरा आज भी मन करता है,
आसमान में उड़ने को पर,
फिर ये जिम्मेदारिया बान्ध लेती
है मेरे मन को।

शिखा बागडी
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

हमें सच्चाई पसंद आएगी

यहां कोई भी झूठ पूरा नहीं
होने वाला है
यहां कोई भी सच झूठ बोलने
वाला नहीं है।
दुनिया में सच्चाई और झूठ
मौजूद हैं लेकिन
क्या करें? सच के बजाय झूठ
ये बहुत ही सुन्दर है इसलिए
हम सभी झूठ पसंद करते हैं लेकिन
उसी समय सच्चाई हमें गोली
मार देती है
सत्य हमारे जीवन को सार्थक
बनाता है
इसलिए भले ही हम कविताओं
और कहानियों में झूठ बोलने
का आनंद लें
फिर हम सच से प्यार करना सीखेंग
हमारा जीवन अधिक सुंदर होगा।

ओटेरी सेल्वकुमार
www.womenexpress.in

बस औरत बन जीना चाहती हूँ...

सुख में सबके संग होती हूँ,
दुख में अकेली रह जाती हूँ।
दुनिया की नज़रों में
मैं कुदरत का करिश्मा
कहलाती हूँ,

मेरा परिचय किसी का मोहताज नहीं,
अपनी कहानी अपनी जुबानी
में कहती हूँ,
मैं वो आग हूँ सीने की
जो चूल्हों में झोक दी जाती हूँ,
आंखो में उड़ने का ख़्वाब लिए
पिंजरे में डाल दी जाती हूँ
उठना चाहूं अगर फिर से तो
बंदिशों में जकड़ी जाती हूँ
लाख प्रतिभा हो मुझमें फिर भी
हर कदम पर रोक दी जाती हूँ,

मैं वो कली हूँ उपवन की
जो खिलते ही तोड़ ली जाती हूँ,
कभी चरणों में तो कभी
मस्तक पर
बस यूं ही चढ़ा दी जाती हूँ ,
खुद से ही जन्मी इस दुनिया में
मैं खुद को ही असुरक्षित पाती हूँ,
हवस भरी इस दुनिया में
मैं हर रोज बेची जाती हूँ,

तुम्हें इस दुनिया में लाने के लिए
मैं मौत से भी लड़ जाती हूँ,
फिर भी क्यों आगाज़ नहीं मैं,
क्यों आवाज़ नहीं मैं,
क्यों मैं बस एक नज़रिया मानी
जाती हूँ
क्यों मैं आतेजाते लोगों का
एक नज़रिया हूँ,
क्यों शोर भरी इस दुनिया में ,
मैं एक खामोशी हूँ,
अपने इन हालातो की
शायद मैं खुद भी उतनी ही
दोषी हूँ,

पर एक बात कहूं मैं इस दुनिया
में बिल्कुल तेरे ही जैसी हूँ।
मैं बेचैनी हूं उस मन की जो
चैन से जीना चाहती हूँ,
मैं ख़्वाब हूं खुद की आंखो का
जो पूरा होना चाहती हूँ,
औरत हूं मैं कोई सामान नहीं,
बस औरत बन जीना चाहती हूँ...

सारिका जागृति
सर्वाधिकार सुरक्षित
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)
www.womenexpress.in

संस्कार

संस्कारों के बिना जीवन सूना
इनसे महके जीवन का हर कोना।
देते हैं ये जिंदगी को हमेशा सौगात
इनके बिना संस्कृति को होता आघात।
संस्कार देते परिवार का परिचय,
लगा देते हैं लोग अच्छे अच्छे आशय।
कुल की बढ़ा देते हैं शोभा संस्कार,
ये तो देते हैं सभ्यता को नया आकार।
बेटियों का स्वाभिमान है संस्कार
परिवार की आन और शान है संस्कार।
सत्यम शिवम सुंदरम है संस्कार,
हर इंसान की पहचान है संस्कार।

रेखा पारंगी
पाली, राजस्थान।

धुआँ धुआँ

चूल्हे से उठकर धुआँ जब
नील गगन के पार हुआ
चढ गया तवा चुल्हे पर तब
पेट को एतबार हुआ

सुबह को मिल गया भोजन
शाम की आस नहीं थी
जिंदगी बहुत करीब होते हुए
भी मेरे पास नहीं थी

बारिश में भीगी लकड़ियों का
मुझ पर एहसान हुआ
चूल्हे से उठकर धुआँ जब
नील गगन के पार हुआ
बहुत मुश्किल से मिला
रोटी का एकएक टुकड़ा
बार बार टूटते हुए दिल
रोता हुआ मासूम मुखड़ा

एक दिन बारिश का पानी
देखा आटे में मिला हुआ
मैं किस्मत को रोता किस्मत
मुझे छोड़ गई रोता हुआ

एक एक टुकड़े को मोहताज
में कितनी बार हुआ
प्रतिशोध है मन में जिंदगी जो
हुआ बहुत बुरा हुआ

चूल्हे से उठ कर दूँगा जब
नील गगन के पार हुआ
चढ गया तवा चूल्हे पर तब
पेट को एक बार हुआ

महेश राठौर सोनू
राजपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

काट दिए डाली तरुवर के

पनप रहा मानव में
कामना का वृक्ष मनोहर
काँट दिए डाली तरुवर के
पत्ते सारे छाँट दिए

उजाड़ सारे उपवन धरणी के
रूप मनोहर छीन लिए
उजड़ गई वाटिका मनोहर
शस्य स्यामला सूख गई

छीन लिए छाँव पथिक से
नीड़ विहगों के उजाड़ दिए
उतार प्रकृति का आभूषण
महल अपने सजा लियें

बहती थी जो प्राणवायु नित
शून्य गगन के तले
करती चित्त शुद्ध स्वास
अब दूषित पवन बयार चले

बुनते जड़ तन्तु से उर्वी का आँचल
बरसते पावस के बूँदों से सींचते
वसुधा का आँचल

पर उजाड़ प्रकृति का निलय
आभूषण सारे विच्छिन किये
उदार चित्त प्रकृति हुई कृपण
करती जो वृष्टि का आह्वान

तप्त हो रहा नित उर्वी का आँचल
देती जो नित पथिक को छाँव
प्रहार करते निर्मम जन
प्रकृति को देते गहरे घाँव

पर उदार चित्त स्वभाव प्रकृति का
तृण के सूखे तिनके से सृजित नीड़
से सँवारती सुन्दर विहगों के निलय
अन्वेषित तरुवर के पत्ते से
होता औषधियों का उदय ।।

पुनीत तिवारी
तिवारीपुर, देवरिया ।
www.womenexpress.in

काश बचपन मिल जाए

काश! ये बचपन एक बार
मुझे मिल जाए
खुदा की कसम! बस
जिंदगी सँवर जाए
ना जाने इसको कितना
अच्छा लगता होगा
बस यही एक बार मुझे महसूस
हो जाए
काश! ये बचपन एक बार
मुझे मिल जाए

कोई फ़िक्र ना हो दुनियाँदारी की
ना कमाने की ना ही
कबीलदारी की
बस इसमें ही सदियाँ जी ली जाएँ
बस हँसना खेलना सोना मिल जाए
काश! मुझे ये बचपन एक बार
मिल जाए

करमजीत कौर
मुक्तसर साहिब, पंजाब
www.womenexpress.in

शमशान घाट

मैं होकर निराश
एक दिन पहुँच गया
जिंदा ही शमशान घाट मैंने देखा
मुर्दे को जलते चिता पर
चिता से निकलते धुँए को
एक मानवीय देह को
धीरेधीरे राख में परिवर्तित होते हुए...

जाति भेद, ऊँच नीच
छोटाबड़ा, अमीरगरीब
पदप्रतिष्ठा सब कुछ खत्म
वाकी बची एक मुट्ठी राख
वो भी उढ़ गई एक हवा के झोके से

मेरा माथा ठनका
मैं क्यों जी रहा हूँ
निराशा की गठरी सर पर रखकर
जब जीवन का सत्य
एक मुट्ठी राख है तो,
क्यों करता फिरूँ खोटे करम
मिट गया मेरे मन का भरम
मैं करूँ अब जतन
आदमी से इंसान बनने का...

मुकेश कुमार ऋषि वर्मा
फतेहाबाद, आगरा ।
www.womenexpress.in

पढ़ लिखकर क्या होगा?

शिक्षा का स्तर नित बढ़ता रहे,
हमारी तो यही कामना है,
हर व्यक्ति कुशल वक्ता हो,
एक विचारक और समीक्षक हो,
दुराग्रह और पूर्वाग्रह सदैव मना है!
माता पिता अपने बच्चों को,
सुशिक्षित और योग्य बनाने के लिए,
कितने पापड़ बेलते हैं!
उनकी सुविधा का बंदोबस्त करके,
स्वयं ही परेशानियां झेलते हैं!
आज बेरोजगारी का ग्राफ बहुत
फैला है,
बच्चों के कंधे पर , भारी
भरकम थैला है!
महंगी हो गई है, बच्चों की भी पढ़ाई,
तिस पर कम हो अगर, माता
पिता की कमाई?
बच्चों को पढ़ाना, कितना
ज़रूरी है?
या फिर ये केवल एक
खानापूरी है?
सरकारी नौकरी मिलने की
गारंटी नहीं है,
फिर भी क्या मानें, यह खतरे
की घंटी नहीं है?
अब तो अपने बलबूते पर
जीना होगा!
पढ़ना लिखना बेहद जरूरी है,
मत कहना, पढ़ लिखकर क्या होगा?

पद्म मुख पंडा,
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

टुकड़ा दिल का

छोड़ आई थी अपने दिल का
एक टुकड़ा
उसी दहलीज पर
जिसके भीतर जीये थे
अनगिनत खूबसूरत लम्हे
जो आज भी मेरे मन मस्तिष्क के
पटल पर हैं बसे
नये घर में आकर नई दहलीज
पार की थी
नये जीवन का नया सफर और
जिम्मेदारियाँ स्वीकार की थी
रच बस गये थे इस दहलीज के
निशां मेरे मन में
नये घर की दहलीज के मान
सम्मान से
बढ़कर कुछ भी नहीं था जीवन में
लेकिन बहुत याद आता था वो
टुकड़ा दिल का
जिसे छोड़ आई थी मैं मायके की
उस दहलीज पर ,फिर से
बहुत बार मिली और सम्पूर्ण हुई
हंसी मुस्काई, खूब गुनगुनाई
लेकिन जब भी वापस आई
वो टुकड़ा वहीं छोड़ आई

सीमा शर्मा, सृजिता
www.womenexpress.in

कोरोना से सबक ले क्या बदल पाएगा इंसान अपनी सोच ?

करीब करीब 6 महीने होने को आए इस आपदा को, पूरे विश्व में कोहराम मचाता हुआ कोरोना किसी के पास उसके धर्मजाति,रंगरूप को देखकर नहीं आया ये तो ईश्वर का एक दूत बनकर आया ये बताने को कि हम सिर्फ किसी चीज़ से टकराकर ही नहीं गिरे, कितनी बार गिरे ईमान से, गिरे क्योंकि दूसरे को गिरना था, गिरे इसलिए कि किसी को हमारा सच न ज्ञात हो, गिरे दूसरे बेगुनाह को फाँसकर खुद को बचाने को अपना धर्म ऊँचादूसरे का नीचा करने को, न जाने और कितनी बार गिरे हम इंसानियत को शर्मिंदा करने को, भागते गए औरऔर की पिपासा को शांत करने को और राह में आए न जाने कितने मासूमों को छलते गए आर नीचेऔर नीचे गिरते गए जरूरतों के इतने आधीन और शौकीन हो गए कि जिससे तेरी हस्ती है उसकी बनाई हर चीज़ से छेड़छाड़,तहसनहस बस... ! नहीं पता कि जैसे दौड़ रहा है अगर एक लगाम खिचती है न उसकी तो साराकासारा तेरा ये शो ऑफ का नक्शा,तेरी संयम खोती ख्वाहिशें सब धराशायी होकर चकनाचूर हो जाती हैं।

कोई भी मनुष्य जब मैं की चरम सीमा तक पहुँच जाता है, वह चक्रव्यूह बना लेता है अपने आसपास उससे निकल ही नहीं पाता, वह खुद को खुदा और भगवान समझने लगता है कहते हैं न जबजब धर्म की हानि हुई उस ऊपर बैठी सरकार ने सबकी तशरीफ हिला दी और हस्ती भी मिटा दी, पर ये भी एक बड़ा सत्य है कि इसकी चपेट में बेकसूर भी आ जाते हैं और बेवजह उसे बहुत कुछ सहना पड़ता है।

ये वैमनस्य, शत्रुता, धार्मिक मतभेद, ये शीतयुद्ध, राजनैतिक प्रपंच, क्यों ?? सत्ता को पाने की चाह अपने ज़मीर को गिराकर कोई अच्छा करे तो गिराकर, बस चढ़ जाओ सीढ़ियाँ वक्त रहते इस दौड़ को और होड को रो दे इंसा देखे अपनी वर्तमान स्तिथि और सबक ले ले वरना गिरतेगिरते टूट ही जाएगा।

भावना मिलन
शिक्षिका एवं लेखिका
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

अर्थव्यवस्था चौपट फिर भी कहते सब चंगा है

अर्थव्यवस्था हो गई चौपट
कोरोना की हर तरफ मार है
महंगाई नागिन डस रही सबको बार बार है
पीछे पड़ा सबके महंगाई का डंडा है
फिर भी कहते हैं सब चंगा है
जब कारोना का कहर कम था
लोग कर दिए घरों में बन्द
अब जब पड़ी कोरोना की मार
आंकड़ा पहुंचा रोज एक लाख के पार
खोल दिया सब कुछ अब जो
मरता है मरे
उसके लिए केवल अब हरिद्वार
और गंगा है
फिर भी कहते हैं सब चंगा है
12 करोड़ लोगों को नौकरियाँ चली गई
बहुत सारे युवा हो गए बेकार
सरकार को नहीं चिंता कोई
कैसे चलेगा उनका घरबार
कारोबार नहीं अब कोई युवा
तो भूखा नंगा है
फिर भी कहते हैं सब चंगा है
मुद्रा योजना में युवाओं को
लोन दिलवाते है
इन सब को रोजगार मिल गया
यही बताते है
बिजनेस न चले तब भी
रोजगार मिल गया
यही झूठे आंकड़े रोजगार के गिनाते है
बड़ों को सरकारी बैंकों से
लोंन दिलवाकर माफ करवाते है
छोटे कर्जदारों पर चलाते डंडा है
फिर भी कहते हैं सब चंगा है
रोज़गार पर ध्यान नहीं
महंगाई हो रही बेलगाम
दुसरे मुद्दे बीच में ले आते
भटकाने जनता का ध्यान
असली मुद्दा रोज़गार है जो
सरकार के लिए पंगा है
फिर भी कहते हैं सब चंगा है।
चीन भी आंखें दिखा रहा है
इलाज कर रही उसका फौज
जनता है हर तरफ से दुखी
आकाओं की हो रही मौज
विरोधी अगर सवाल पूछें तो
लगता वो अड़ंगा है
फिर भी कहते हैं सब चंगा है

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपर, हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

घुटन...

घुटन है बहुत उसे वो रोज़ मौत से
लड़ती है जीने को।

रोज़ जाने कितनी
मौतें मरती है और
दिखती सब सही है

इतनी कशमकश चल रही है
अंदर ही अंदर
खोखली होगयी वो

वो किस हद तक बरदाश्त करे इस
ज्वालामुखी को
जो उसके अंदर चल रही है
आगे बढ़ना वो चाहे
पर कभी उसे बढ़ने न दिया

किस्मत भी बार बार
खेले खेल उसके संग
बार बार तोड़े उसे
इतना टूट चुकी है वो अब
की सहा ना जाये

आखिरकार फट उठा
ज्वालामुखी और ले डूबा
उसने सोचा खत्म कर दूँ सब

जाते जाते दे गयी अपनों को
आजीवन की पीड़ा, उसके
वियोग की।

निधि सिन्ह
www.womenexpress.in

सिर्फ खुद के लिए भी क्या जीना यारों...

निराशा में भी हम खुशियों का
आसमान ढूढ़ लेते हैं,
अपनों के सुख के लिए, दिल
के अरमान सी लेते हैं।
इस दुनिया में सिर्फ़ खुद के
लिए भी क्या जीना यारों,
थोड़े से दुःख सह यदि दूजों
को ढेरों खुशियाँ देते हैं।।
मन में रखें हम ईर्ष्या, मुख पर
मीठी बातें करते हैं,
दूजे के खुशियों को देखकर,
अंदर से खूब जलते हैं।
बाहर से करते रहते हैं दिखावा
यूँ परम दोस्ती का,
अवसर आने पर पीछे से, टांग
खींच लिया करते हैं।।

त्याग के दिखावटीपन का आज
समाज में बहुत हवा,
बुजुर्ग होने पर तैयार नहीं, डाई
लगाकर बनते जवां।

कर्म और कथन में कितना
अंतर आ गया अब दोस्तों,
श्रेष्ठ सृजन के लिए साहित्यकार
खुद को न करें रवा।।
शॉर्टकट के रास्ते जल्द ही
सफलता की अभिलाषा,
बुरी संगति करने से बाद में,
हमें होती सिर्फ़ हताशा।
हम टूट कर बिखर जाते हैं
और देते वक़्त को दोष,
जी तोड़ परिश्रम के सहारे ही
रखें जीत की आशा।।

सदमार्ग पे चलते रहने से हमें
मिलेगी निश्चय विजय,
जो मिलती हमें खुशियाँ, उसमें
न होता है कोई भय।
लक्ष्य को ठान कर हम मनोबल
ऊँचा कर बढ़ते रहे,
खूब खुशियाँ मिलेंगी, आने
वाला होगा हमारा समय।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

एक नजर

कोरोना के कारण MP में 3900 कैदियों की पैरोल अवधि 60 दिन बढ़ी

भोपाल। कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने जेल के 3900 कैदियों की पैरोल अवधि 60 दिनों के लिये बढ़ा दी है। इससे अब इन कैदियों के नवंबर के अंत तक जेल की बैरकों में वापस आने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मार्च माह में उच्चतम न्यायालय ने जेलों में भीड़ कम करने के लिए राज्यों को उपाय करने के लिए कहा गया था। इसके बाद कैदियों को पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था ताकि कोविड19 के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके। मध्य प्रदेश में 125 जेलों में लगभग 43,000 कैदी हैं। इनमें से 3900 को पैरोल पर जबकि 3000 को अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया है। जेल विभाग के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) संजय पांडे ने पीटीआई भाषा को बताया, 3900 कैदियों की पैरोल 60 और दिन के लिए बढ़ाई गई है।

पूर्णिमा विश्व विधालय में फ्रेशर पार्टी में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जयपुर। पूर्णिमा विश्व विधालय के वाणिज्य विभाग की ओर से शुक्रवार को फ्रेशर डे इवेंट दृष्टि 2020 का डिजिटल प्लेटफार्म पर ऑनलाइन आयोजन किया गया। वाणिज्य विभाग की बीबीए हैड डॉ मोनिका ओझा खत्री के संयोजन में संपन्न इस ऑनलाइन कार्यक्रम में विभाग के फ्रेशर छात्र छात्राओं ने नृत्य, गायन और वादन आदि के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान टेलेंड राउंड, प्रश्नोत्तरी, वाक, व्यक्तित्व और परिचय आदि भी प्राप्त किये गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व विधालय के कुलपति एस सी पाधे थे ।

प्रकाश शर्मा बने ब्राहमण एकता परिषद के जिला अध्यक्ष

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

आगरा 25 सितम्बर । भारत वर्ष के सबसे बड़े ब्राह्मण संगठन अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने भारतीय स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक, राष्ट्रीय गौ सेवा संघ प्रदेश सचिव पं. प्रकाश चन्द्र शर्मा को आगरा जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पंडित विजय प्रकाश मिश्रा (पूर्व न्यायाधीश) ने की है। ब्राहमण समाज के बिभिन्न लोगों ने पं. प्रकाश चन्द्र शर्मा की नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया है एवं इनके साथ मिलकर पूर्ण निष्ठा के साथ परिषद के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञा की है। शर्मा ने बताया कि इस संगठन में हर क्षेत्र एवं वर्ग से जुड़े लोग शामिल हैं। अब वह इसका विस्तार आगरा में बड़े स्तर पर किया जाएगा।

मीडिया कर्मियों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा, कोविड में 10 लाख की आर्थिक सहायता

सूचना विभाग के नये भवन 'पं0 दीन दयाल उपाध्याय सूचना परिसर' का लोकार्पण

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 25 सितम्बर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र की ताकत संवाद है। लोकतंत्र को इसीलिए शासन की सबसे अच्छी प्रणाली माना जाता है, क्योंकि संवाद के माध्यम से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान सम्भव है। संवाद के माध्यम से संघर्ष को टाला जा सकता है। मीडिया संवाद का सशक्त माध्यम है। इस माध्यम को और सुदृढ़ किये जाने की आवश्यकता है। इसके दृष्टिगत उन्होंने नवनिर्मित पं0 दीन दयाल उपाध्याय सूचना परिसर में मीडिया कर्मियों को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के मीडिया कर्मियों को 05 लाख रुपये तक के उपचार हेतु स्वास्थ्य बीमा तथा कोविड19 के संक्रमण से दुर्भाग्यवश निधन की स्थिति में दिवंगत मीडिया कर्मी के आश्रितों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह विचार आज यहां पं0 दीन दयाल उपाध्याय की जयन्ती पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के नवनिर्मित भवन 'पं0 दीन दयाल उपाध्याय सूचना परिसर' के लोकार्पण के अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कार्यों को आमजन तक पहुंचाने का कार्य सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा किया जाता है। यह विभाग शासन व प्रशासन तथा आमजन के बीच में

सेतु का कार्य करता है। सूचना विभाग का दायित्व है कि शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाए, जिससे अधिक से अधिक प्रदेशवासी उनसे लाभान्वित हो सकें। महान देशभक्त और अन्त्योदय के प्रणेता के नाम पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के नवीन भवन का नामकरण किये जाने के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह भवन पं0 दीन दयाल उपाध्याय की भावना और व्यक्तित्व के अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की लोकल को वोकल की संकल्पना के अनुसार स्थानीय उत्पादों की ब्रॉण्डिंग की जानी चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए इस नवनिर्मित भवन में 'एक जनपद, एक उत्पाद' योजना के उत्पादों को डिस्प्ले किया जाना चाहिए। 'एक जनपद, एक उत्पाद' योजना आत्मनिर्भर भारत पैकेज का आधार बन सकती है। उन्होंने कहा कि लोक भवन में ओ0डी0ओ0पी0 के उत्पादों को डिस्प्ले किया गया है। राज्य सरकार के सभी भवनों में इस तरह के डिस्प्ले की व्यवस्था की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को इस नवीन भवन के निर्माण के लिए भूमि निःशुल्क शिक्षा विभाग से प्राप्त हुई है। सूचना विभाग द्वारा भी अपना पुराना भवन डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के विस्तार के लिए स्वास्थ्य विभाग को प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय के विस्तार से जनपद लखनऊ सहित प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई व्यक्ति जैसे परिवेश में रहता है, वैसी ही उसकी सोच भी होती है। पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की संकल्पना अन्त्योदय की थी। पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने आदि शंकराचार्य के सम्बन्ध में लिखा है कि वह एक संन्यासी थे। उन्होंने अपने मोक्ष के लिए संन्यास धारण किया था, लेकिन लोकमंगल के लिए चार धामों की स्थापना की। आदि शंकराचार्य के सम्बन्ध में ही एक कथा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लोकमंगल के कार्यों के निष्पादन के लिए संवेदनशीलता सर्वाधिक आवश्यक है। आखिरी पायदान के व्यक्ति के प्रति संवेदनशीलता से ही पं0 दीन दयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के स्वप्न साकार किये जा सकते हैं।

सुशांत राजपूत केस की जांच भटक कर ड्रग्स की ओर चली गई

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली/पटना। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत अभी भी लोगों के लिए एक पहेली बनी हुई है। इस केस की जांच तीनतीन एजेंसियां कर रही हैं लेकिन इस केस में कितनी सफलता अब तक मिल पाई इस को लेकर सुशांत के परिवार वाले चिंतित हैं। सुशांत सिंह केस की जांच अब बॉलीवुड में ड्रग्स कनेक्शन की ओर जाने के बाद सुशांत सिंह के परिवार के वकील विकास सिंह ने चिंता जाहिर की है।

विकास सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सुशांत का परिवार ऐसा महसूस कर रहा है कि जांच अलग दिशा में जा रही है। सभी ध्यान अब ड्रग्स केस की तरफ मोड़ दिया गया है। एम्स के डायरेक्टर ने मुझे कहा था कि सुशांत की मौत गला घोंटने से हुई है। सुशांत के पिता के वकील ने आगे कहा, आज हम असहाय हैं क्योंकि हम ये नहीं जानते हैं कि केस किस दिशा में जा रहा है। आज की तारीख तक, सीबीआई ने एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की है जिससे पता लग सके कि उन्हें क्या

मिला है। जिस गति से जांच हो रही है उससे मैं खुश नहीं हूं।

गौरतलब है कि सुशांत सिंह राजपूत केस की जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने जब जांच की तो बॉलीवुड से ड्रग्स कनेक्शन के तार जुड़ते चले जा रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़े ड्रग्स मामले में बॉलीवुड की बड़ी ड्रग्स मंडली एनसीबी की रडार पर है। ड्रग्स केस में बॉलीवुड की कई बड़ी एक्ट्रेसेज के नाम सामने आए हैं। शुक्रवार को रकुलप्रीत सिंह से एनसीबी ने पूछताछ की। अब खबर आ रही है कि रकुल ने इस बात को कबूला है कि उन्होंने रिया से ड्रग्स को लेकर बात की थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल प्रीत सिंह ने ये माना है कि साल 2018 में उन्होंने रिया से ड्रग्स को लेकर चैट की थी। रकुल ने कहा कि रिया उनके घर में ड्रग्स छोड़कर चली गई थीं उसी को लेकर दोनों के बीच बात हुई थी। रिया अपने ड्रग्स वापस लेना चाहती थीं। दोनों के बीच बस इतनी ही बात हुई थी। रकुल ने यह भी बताया कि उन्होंने कभी ड्रग्स नहीं लिए हैं और ना ही वह किसी ड्रग पैडलर को जानती हैं।

निर्धारित समयावधि में ही निर्माण कार्यों को पूरा करें कार्यदायी संस्थाएं

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्माण कार्यों से सम्बन्धित सभी विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं निर्धारित समयावधि में कार्यों को पूरा करें।

उन्होंने कहा कि आगणन के अनुसार जब पूरी धनराशि कार्यदायी संस्था को दे दी जाती है तो सम्बन्धित कार्यों को समय से पूरा करने की जिम्मेदारी भी उनकी ही बनती है।

यदि आवंटित धनराशि के उपयोग में अनियमितता अथवा गबन की शिकायत मिलती है तो सम्बन्धित ठेकेदार एवं दोषी विभागीय कार्मिकों से वसूली का दायित्व सम्बन्धी कार्यदायी संस्था का है और इससे कार्य की प्रगति व उसे पूरा करने की समय सारिणी प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं के सभी डिवीजन में मानक के अनुसार स्टाफ की तैनाती

हो और मानक व उनकी क्षमता के अनुसार कार्य का आवंटन हो। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों के लिए धनराशि आवंटित की जा चुकी है वह सभी कार्य आरंभ हो जाने चाहिए तथा माहवार कार्य की प्रगति की समीक्षा का शिड्यूल भी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शतप्रतिशत कार्य ईटेण्डरिंग से और बिना डीपीआर कोई भी कार्य शुरू नहीं होना चाहिए।

इससे पूर्व बैठक में बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष में लोक निर्माण विभाग 23761 कार्य धनराशि 9911 करोड़, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम 2023 कार्य धनराशि 5403 करोड़, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन 2728 कार्य 1728.39 करोड़, यूपी स्टेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कॉरपोरेशन लि0 1842 कार्य 1087 करोड़, उ0प्र0 राज्य निर्माण सहकारी संघ लि0 1751 कार्य 549.32 करोड़, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद 222 कार्य 258 करोड़, उ0प्र0 जल निगम 1600 करोड रु के कार्य, सीएण्डडीएस जल निगम 203 कार्य 1041 करोड़, आरईएस 11132 कार्य 1257.27 करोड़ रु, यूपीसीएलडीएफ 962 कार्य 227.52 करोड़ रु तथा उ0प्र0 पुलिस आवास निगम लि0 248 कार्य 1433.02 करोड़ कराये जा रहे हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग नितिन रमेश गोकर्ण सहित सम्बन्धित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो हरियाणा की पहली सफलता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

चण्डीगढ़। हरियाणा राज्य के नवगठित नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो ने आज गुप्त सुचना के आधार पर पहली कार्यवाही करते हुए एक बड़ी सफलता प्राप्त की है. बता दें कि उप निरीक्षक बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित इस टीम ने दो व्यक्तियों कृष्ण पुत्र मकड़ाराम वासी नरवाना और हवा सिंह पुत्र रघुबीर सिंह वासी कुरुक्षेत्र को 290 ग्राम स्मैक के साथ हरियल चौक नरवाना से गिरफ्तार किया है तथा आगामी कार्यवाही के लिए थाना शहर नरवाना को सौंप दिया है. बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख है. हरियाणा सरकार ने हरियाणा राज्य से नशे का समूल नाश के लिए हरियाणा नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो की कमान तेज तर्रार व ईमानदार पुलिस अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव को सौंपी है. वे लबे समय से इस क्षेत्र

में प्रयास कर रहे हैं. जब श्रीकांत जाधव पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद थे तो उन्होंने नशा उन्मूलन की दिशा में प्रयास नामक संस्था का गठन किया जिसका मुख्य कार्य नशा मुक्ति पर बहुत ही सराहनीय रहा।

स्वच्छ भारत में अस्वच्छ बॉलीवुड का क्या काम: केंद्रीय मंत्री

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। बॉलीवुड में चल रहे अवैध ड्रग्स मामले को लेकर गोरखपुर से सांसद और मशहूर अभिनेता रवि किशन ह्ठ्ठ ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। शेखावत ने कहा कि स्वच्छ भारत में अस्वच्छ बॉलीवुड का कोई काम नहीं है।

शेखावत ने कहा कि सांसद रवि किशन द्वारा बॉलीवुड में चल रहे अवैध ड्रग्स मामले को लेकर संसद में उठाए गए गंभीर मुद्दे ने देश का ध्यान आकर्षित किया है।

हमारी युवा पीढ़ी बॉलीवुड के कलाकारों से प्रभावित रहती है, ऐसे में सांसद रवि किशन द्वारा कलाकारों की साफ छवि को लेकर देश की संसद में चिंता व्यक्त करना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मैं सांसद रवि किशन को इस

अवैध ड्रग्स मामले को लेकर शेखावत से मिले गोरखपुर सांसद रवि किशन

अत्यावश्यक विषय पर पहल करने की बधाई देता हूं।

पिछले दिनों शेखावत ने ट्वीट करके अभिनेत्री कंगना रनौत का समर्थन भी किया था। उन्होंने कहा था कि जहां हमारी सरकार देश के लोगों को स्वच्छ भारत देने के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं वास्तव में नशा मुक्त स्वच्छ भारत को प्राप्त करने के लिए हमें राष्ट्र के हर कोने में पद्मश्री कंगना रनौत जैसे साहसी और राष्ट्रवादी लोगों की आवश्यकता है।

मरकज निजामुद्दीन से लौटे सात इंडोनेशियाई जमाती नैनी जेल से रिहा

प्रयागराज । मरकज़ निज़ामुद्दीन से लौटे 7 विदेशी जमातियों को जेल से रिहा कर दिया गया है उनके विरुद्ध क्रोना संक्रमण फैलाने व वीसा नियमों का पालन न करने का आरोप था,21 अप्रैल को जेल भेजे गए 16 विदेशियों सहित 30 जमातियों में सभी 14 भारतीयों की जमानत पूर्व में ही हो चुकी थी,न्यायालय के बन्द रहने के कारण 7 इंडोनेशियाई जमातियों को आज रिहा किया गया,जेल मैन्युअल के अनुसार सभी विदेशियों को जेल प्रशासन द्वारा उनके अधिवक्ता एस ए नसीम की सुपुर्दगी में दिया गया,अधिवक्ता एस ए नसीम ने बताया कि ज़िला अदालत के लगातार बन्द रहते 24 अगस्त को इनकी जमानतें उच्च न्यायालय से स्वीकार की गई थी ज़मानत दाखिल करने पर इन्हें जेल से रिहा किया गया,रिहाई के समय एलआईयू के अधिकारी भी मौजूद थे।

बिहार चुनाव की तरीख घोषित होने के बावजूद दो मुख्य गठबंधनों के भविष्य पर अनिश्चितता

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 25 सितंबर । निर्वाचन आयोग ने बिहार में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है लेकिन राज्य में दो मुख्य गठबंधनों की रूपरेखा को लेकर अभी तक अनिश्चितता बनी हुई है और कई दल अब भी गठबंधन की पसंद को लेकर पसोपेश में दिख रहे हैं। राज्य में तीन चरणों में चुनाव होने जा रहे हैं और प्रथम चरण का चुनाव 28 अक्तूबर को होगा । ऐसे में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में लोक जनशक्ति पार्टी का रुख अभी तक स्पष्ट नहीं है । पार्टी ने यह संकेत दिया है कि वह 143 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जिसमें वे सीटें शामिल होंगी जहां से जदयू चुनाव लड़ेगी, साथ ही वह भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करेगी । लालू प्रसाद के राजद एवं कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन में भी स्थिति काफी उलझी हुई प्रतीत हो रही है जहां दो छोटे दल उपेंद्र कुशवाह की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और विकासशील इंसान पार्टी गठबंधन छोडने की कगार पर पहुंच गए हैं । पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने पहले ही विपक्षी गठबंधन से अलग होकर जदयू अध्यक्ष और बिहार के

मुख्यमंत्री के साथ आ गए हैं। उपेंद्र कुशवाह भी राजद के वर्तमान नेतृत्व के खिलाफ मुखर हैं और पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे जल्द ही विपक्षी खेमा छोड़ सकते हैं। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के नेता माधव आनंद ने गुरूवार को कहा था कि, हमने महागठबंधन को बचाने के लिये हर संभव प्रयास किया लेकिन राजद हठ कर रही हैं । हम जिस कारण से साथ आए थे, उसको लेकर हमेशा प्रतिबद्ध है लेकिन तथाकथित महागठबंधन को लेकर हमें अधिक उम्मीद नहीं दिख रही है जहां पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की हम पार्टी राजग में चली गई है। '' एक तरफ विपक्षी खेमे में नीतीश कुमारे के मुकाबले तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाये जाने को लेकर गठबंधन के घटकों के बीच गंभीर मतभेद उभरे हैं, वहीं जदयू और केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की लोजपा के बीच बेहद खराब होते समीकरण से भी राजग गठबंधन की मुश्किलें बढ़ गई हैं । भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित पार्टी के नेताओं ने जोर देकर कहा है कि राजग के सभी तीन घटक जदयू, भाजपा और लोजपा साथ चुनाव लड़ेंगे लेकिन चिराग पासवास अभी भी प्रतिबद्ध नहीं दिख रहे हैं। कोविड19 महामारी से लेकर प्रवासी मजदूरों के मुद्दे पर नीतीश कुमार पर तंज किया और उनका कहना रहा है कि भाजपा गठबंधन का नेतृत्व करे और जदयू से अधिक सीटों पर चुनाव लड़े ।

गोरखपुर क्षेत्र में इन्सेफेलाइटिस से मौतों की संख्या में कमी आयी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 25 सितम्बर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर मण्डल सहित पूर्वांचल के जनपदों में प्रतिवर्ष इन्सेफेलाइटिस से बड़ी संख्या में मृत्यु होती थी। वर्ष 1977 में पहली मौत होने के पश्चात वर्ष 1998 तक प्रदेश के 38 जनपदों में इन्सेफेलाइटिस की बीमारी फैल चुकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 02 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की गयी। प्रधानमंत्री के प्रयास से स्वच्छ भारत मिशन के साथ सभी वर्गों के लोग बड़ी संख्या में जुड़े। मिशन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में 05 वर्षों में 03 करोड़ व्यक्तिगत शौचालय बनाने का लक्ष्य था। प्रारम्भिक ढाई वर्षों में मात्र 43 लाख शौचालय ही बनाये जा सके थे। वर्तमान राज्य सरकार ने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात मिशन मोड में कार्य करते हुए डेढ़ वर्ष में लक्ष्य से अधिक शौचालय बनाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में शौचालयों के निर्माण के परिणामस्वरूप गोरखपुर क्षेत्र में इन्सेफेलाइटिस से होने वाली मौतों की संख्या में बड़ी कमी आयी। वर्ष 2014 में गोरखपुर के बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज में 641 मृत्यु हुई,

जबकि 2020 में अब तक केवल 07 मौत हुई है। वर्ष 2017 से इन्सेफेलाइटिस से होने वाली मौतों की संख्या में निरन्तर कमी होती गयी है। यह अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से कराये गये स्वच्छता एवं सैनिटाइजेशन, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, संक्रमण के प्रति सर्विलान्स तथा उपचार की बेहतर व्यवस्था से सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि इन्सेफेलाइटिस पर प्रभावी नियंत्रण पूरी दुनिया के लिए एक सक्सेज स्टोरी है। आज पूर्वांचल सहित पूरे प्रदेश में इन्सेफेलाइटिस की बीमारी खात्मे की ओर है। मीडिया के लोगों को इस सक्सेज स्टोरी को दुनिया के सामने लाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्सेफेलाइटिस के नियंत्रण में किये गये कार्य का अनुभव कोविड19 के संक्रमण के दौरान बहुत उपयोगी साबित हुआ। देश में कोविड19 के संक्रमण के आगमन के साथ ही प्रदेश में संक्रमण के अत्यधिक प्रसार को लेकर सभी को चिन्ता थी। राज्य सरकार द्वारा इन्सेफेलाइटिस नियंत्रण के सम्बन्ध में अपने अनुभवों को आधार बनाकर कार्य किया गया। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कोविड19 की स्थिति अन्य प्रदेशों से काफी अच्छी है। राज्य में पॉजिटिविटी रेट सबसे कम तथा रिकवरी दर सर्वाधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड 19 के संक्रमण के लगभग 06 महीने पूर्ण हो रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा इस दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 12वीं बार निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। विभिन्न पेंशन योजनाओं यथा वृद्धावस्था, निराश्रित महिला, दिव्यांगजन तथा कुष्ठ रोगी भरणपोषण योजना के लाभार्थियों को सितम्बर, 2020 तक की पेंशन उपलब्ध करा दी गयी है। निराश्रित श्रमिकों को भरणपोषण भत्ते के साथ ही काम भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय

नैनी स्टेशन के सामने

प्रभारी:

सुजीत चौरसिया

Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974

टेली– 09013 518 518

www.womenexpress.in

thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, चंडीगढ़ के लिए इलेक्ट्रिक बसों की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और चंडीगढ़ के लिए 670 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की मंजूरी प्रदान की है। इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई फेम योजना के दूसरे चरण में इन बसों की खरीद के लिए मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गुजरात और पोर्ट ब्लेयर में 241 चार्जिंग स्टेशनों को भी मंजूरी दी गई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने शुक्रवार को बताया कि यह फैसला जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन कम करने की सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। जिन 670 नई इलेक्ट्रिक बसों की मंजूरी दी गई है उनमें गोवा के लिए 100 बसें, महाराष्ट्र के लिए 240 बसें, गुजरात के लिए 250 बसें और चंडीगढ़ के लिए 80 बसें मंजूर की गई हैं। फेम योजना का दूसरा चरण 01 अप्रैल 2019 में शुरू हुआ था जिसके लिए केंद्र सरकार 10 हजार करोड़ रुपये दे रही है। दूसरा चरण तीन साल के लिए होगा। इसमें सार्वजनिक वाहनों के बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। फेम के पहले चरण में 2,80,987 हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक बसों की खरीद को सरकार ने समर्थन प्रदान किया। इसमें सरकार ने 359 करोड़ रुपये की मदद दी थी। यह चरण 31 मार्च 2019 तक चला था।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम पलामू जिले से 4 बारूदी सुरंगें बरामद

मेदिनीनगर। सुरक्षाबलों ने पलामू जिले के मनातूचक मार्ग में नक्सलियों द्वारा बनाई गई चार बड़ी बारूदी सुरंगों को समय रहते निष्क्रिय कर बलों पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। पलामू के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि नक्सलियों ने मनातू थानान्तर्गत मंसुरिया के पास बारूदी सुरंगें बनाई थीं। उन्होंने बताया कि सभी में बारह से पंद्रह किलोग्राम विस्फोटक था जिससे भारी नुकसान हो सकता था। इन्हें सुरक्षाबलों को लक्ष्य कर सड़क के बीच में लगाया गया था। यह मार्ग चतरा होते हुए बिहार के गया तक जाता है। मेदिनीनगर। सुरक्षाबलों ने पलामू जिले के मनातूचक मार्ग में नक्सलियों द्वारा बनाई गई चार बड़ी बारूदी सुरंगों को समय रहते निष्क्रिय कर बलों पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। पलामू के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि नक्सलियों ने मनातू थानान्तर्गत मंसुरिया के पास बारूदी सुरंगें बनाई थीं। उन्होंने बताया कि सभी में बारह से पंद्रह किलोग्राम विस्फोटक था जिससे भारी नुकसान हो सकता था। इन्हें सुरक्षाबलों को लक्ष्य कर सड़क के बीच में लगाया गया था। यह मार्ग चतरा होते हुए बिहार के गया तक जाता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इनका पता लगाकर निष्क्रिय करने का काम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 134वीं बटालियन और स्थानीय पुलिस ने मिलकर किया।

तमिलनाडु सरकार ने लॉकडाउन के दौरान मछुआरों को दी आर्थिक सहायता

चेन्नई । तमिलनाडु सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाई गई पाबंदियों से प्रभावित मछुआरों को आर्थिक मदद मुहैया कराई थी। मत्स्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु मछुआरा कल्याण बोर्ड के माध्यम से 4.8 लाख सदस्यों को राहत के रूप में लगभग 96 करोड़ रुपये दिए गए, जिसमें महिला और पुरुष मछुआरों, संबद्ध श्रमिकों और चालक दल के सदस्यों को लॉकडाउन के दौरान दो महीने तक दोदो हजार रुपये दिए गए। उन्होंने बताया कि प्रतिबंध (मछली पकड़ने पर) अवधि के कारण प्रत्येक परिवार को अतिरिक्त पांचपांच हजार रुपये भी दिए गए थे। नाम उजागर ना करने की शर्त पर वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करीब 1.6 लाख परिवारों को राहत राशि प्रदान की गई।

उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी ने परिवार राशन कार्ड वाले मछुआरों को मुफ्त राशन देने का फैसला किया, जो तमिलनाडु सरकार द्वारा दी गई 1,000 रुपये की राहत राशि के हकदार थे। इससे महामारी के कारण पेश आई कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिली।

दीनदयाल उपाध्याय ने देश को एक वैकल्पिक विचारधारा दी

बीजेपी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी ने किया माल्यार्पण

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 25 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मजयंती के अवसर पर पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से पंडित दीनदयाल जी द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

नड्डा ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनता पार्टी की विचार यात्रा के अदम्य प्रेरणास्रोत हैं। पंडित दीनदयाल ने पार्टी के लिए आगे बढ़ने का जो मार्ग चिह्नित किया, कार्यकर्ताओं को जो विचार दिया, उसी मार्ग पर आगे बढ़ते हुए हम जन सामान्य के सशक्तिकरण का काम कर रहे हैं। ऐसे महान मनीषी पंडित दीनदयाल की जन्मयंती पर हमें उनके सपनों को धरातल पर साकार कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन मिलने जा रहा है, मैं स्वयं एवं पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के माध्यम से देश को एक वैकल्पिक विचारधारा दी जो भारत की मिट्टी की सुगंध से ओतप्रोत रही। उन्हीं के दिए संस्कार से पार्टी की सेवाभाव की संस्कृति विकसित हुई। पंडित दीनदयाल के 'अंत्योदय के सिद्धांत के आधार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के न

केवल मंत्र को शासन पद्धति की नींव बनाया बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसे पहुंचा कर इसे चरितार्थ भी किया।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर योजना में देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, शोषित, वंचित और पिछड़े ही हैं और हमें इस बात का गर्व है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक ओर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया गया, गाँवों और कस्बों को खुले में शौच से मुक्त किया गया तो वहीं दूसरी ओर 8 करोड़ से अधिक गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए। देश के 50 करोड़ से अधिक लोगों के लिए 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष की मुफ्त स्वास्थ्य बीमा 'आयुष्मान भारत लागू की गई तो करोड़ों लोगों को सामाजिक सुरक्षा कवच दिया गया। आयुष्मान भारत योजना से केवल दो वर्ष में अब तक लगभग 1.30 करोड़ लोग लाभान्वित हो चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए डेढ़ करोड़ से अधिक घरों का निर्माण किया गया और यह प्रधानमंत्री का संकल्प है कि देश के हर गरीब के पास अपना पक्का छत होना चाहिए। जल्द ही यह सपना भी साकार होगा। मुद्रा योजना के माध्यम से देश के लगभग 25 करोड़ लोगों को सहायता पहुंची और लगभग ढाई करोड़ से अधिक घरों में सौभाग्य योजना के तहत बिजली पहुंचाई गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत हर वर्ष देश के प्रत्येक किसान को 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 90 हजार करोड़ रुपये किसानों के एकाउंट में ट्रांसफर किये जा चुके हैं। इसके साथ ही, संसद के मानसून सत्र में पारित कृषि सुधार के विधेयकों के बल पर किसानों को सही मायनों में आजादी मिली है। अब किसान अपने फसल कहीं भी और अपनी कीमत पर बेच सकते हैं। कृषि सुधार के माध्यम से किसानों के सशक्तिकरण के लिए मैं पार्टी एवं पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करता हूँ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जब भी पार्टी ने प्रधानमंत्री से निवेदन किया है, एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने हम सबका, पार्टी का मार्गदर्शन किया है। प्रधानमंत्री के उद्बोधन से न केवल हमारे कार्यकर्ता प्रेरित होंगे बल्कि उनके मार्गदर्शन में आगे चलते हुए देश और समाज के उत्थान के लिए और प्रतिबद्ध होकर आगे बढ़ेंगे। मैं प्रधानमंत्री को विश्वास दिलाता हूँ कि आपके बताये रास्ते पर पार्टी के एकएक कार्यकर्ता प्रतिबद्ध हो देश और समाज की सेवा में अविरत कार्य करते रहेंगे।

डा. साराभाई ने राष्ट्र के विकास एवं शिक्षा में उपग्रह प्रणाली के महत्व को प्रदर्शित किया थाः कोविंद

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 25 सितंबर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को कहा कि देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा. विक्रम साराभाई ने दशकों पहले शिक्षा में उपग्रह प्रणाली और संचार के महत्व को रेखांकित किया था और इसी कार्यक्रम के कारण कोविड19 महामारी स्कूली शिक्षा को बाधित करने में विफल रही और दूरस्थ माध्यम से शिक्षा जारी रही।

डा. विक्रम साराभाई जन्मशती कार्यक्रम के समापन समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि डा. विक्रम साराभाई ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिये देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, मानव विज्ञानियों, संवाद करने वालों तथा सामाजिक वैज्ञानिकों का समूह तैयार किया। राष्ट्रपति ने कहा, ''डा. साराभाई राष्ट्र के विकास में उपग्रह प्रणाली की उपयोगिता को प्रदर्शित करना चाहते थे। उन्होंने कहा था कि 'मैं एक स्वप्नद्रष्टा हूं और मैं उस दिन के बारे में स्वप्न देखता हूं जब भारत के लोग टेलीविजन के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। हम ऐसा अपने

संचार उपग्रह के जरिये ऐसा करने में सक्षम हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज हमें उनके स्वप्न के महत्व को समझा है जब कोविड19 महामारी स्कूली शिक्षा को बाधित करने में विफल रही और यह दूरस्थ शिक्षा माध्यम से जारी रहा।'' कोविंद ने कहा कि ऐसी छोटी लेकिन महत्वाकांक्षी शुरूआत के साथ हम आज उस स्तर तक पहुंचे हैं तब हम मानवरहित अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''गगनयान देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर भेजना निर्धारित किया गया है जो डा. साराभाई की विरासत के बारे में बताता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं भारत के महान सपूत डा. विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा. विक्रम साराभाई विश्वस्तरीय वैज्ञानिक, नीति निर्माता और संस्था निर्माता थे, ऐसी शख्सियत विरले ही देखने को मिलती है।'' उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि डा. साराभाई और डा. भाभा दोनों के लिये विज्ञान न केवल एक रोचक यात्रा थी बल्कि भारत जैसे देश के आधुनिक विकास का मार्ग भी थी।

पुलिस वालों ने लाखों का गांजा किया हजम, चार पुलिस वाले सस्पेंड

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के जहांगीरपुरी थाने में तैनात एक हेड कांस्टेबल एक सो 70 ग्राम गांजा हजम कर गया और डकार भी नही लिया। जब मामले की जानकारी दूसरे पुलिस वालों को पड़ी मामला बाहर नही लाने के लिये उन्होंने लाखो रुपये आपस मे बांट लिए। लेकिन एक दूसरे थाने में तैनात पुलिस वाले ने अपना फर्ज निभाते हुए अधिकारियों को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद दो एसआई और एक एक हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को ससपेंड कर दिया। उनपर विभागीय जांच के भी आदेश दे दिए। अब पुलिस मामले में एक बदमाश की तलाश कर रही है। जिसके बाद कुछ आरोपियों को पकड़ा जाएगा। डीसीपी विजयन्ता आर्या ने बताया कि दो दिन पहले मामला सामने आया था, जिसमे जांच में जो बातें सामने आई उसमे चार पुलिस वालों को सस्पेंड कर दिया गया है। ये मामला हैरान करने वाला है। जिसको उन्होंने गंभीरता लिया है। उन्होंने एक टीम को जांच के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद कुछ और कि गिरफ्तारी भी होना तय है।

रनौत बंगला मामले में अदालत ने बीएमसी से पूछा, क्या निर्माणाधीन हिस्सा गिराया गया

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 25 सितंबर । बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को बृहमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) से पूछा कि क्या नौ सितंबर को उसके द्वारा कंगना रनौत के बंगले के जिस हिस्से को गिराया गया था वह निर्माणाधीन था या वह पहले से ही मौजूद था। बंगले के हिस्से को ध्वस्त करने के खिलाफ कंगना द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एसजे कथावाला और न्यायमूर्ति आरआई छागला ने पूछा कि बीएमसी ने भूतल पर मौजूद कई ढांचों को क्यों गिराया।

बीएमसी के मुताबिक, कंगना ने पाली हिल वाले बंगले में बिना अनुमति कई बदलाव किए जिसके खिलाफ पांच सितंबर को पहला नोटिस दिया गया। अदालत यह जानना चाहती है कि बदलाव गैर कानूनी था या नहीं, क्या वह पहले से ही मौजूद था क्योंकि बीएमसी कानून की धारा354ए के तहत महानगरपालिका केवल गैर कानूनी तरीके से चल रहे निर्माण कार्य को ही रोक सकती है।

कंगना ने अपनी संशोधित याचिका में कहा है कि उनके पास जनवरी 2020 में बंगले में की गई पूजा की तस्वीर और अप्रैलमई 2020 में एली डेकोर पत्रिका में प्रकाशित तस्वीर है जो दिखाती है कि ध्वस्त किया गया हिस्सा पहले से ही मौजूद था। कंगना ने अपनी याचिका में कहा कि इस प्रकार बीएसमी का यह आरोप गलत है कि वहां निर्माण चल रहा था। अभिनेत्री ने अदालत में कहा कि उन्होंने कोई गैर कानूनी निर्माण नहीं कराया और जो भी बदलाव थे वे बीएमसी की कार्रवाई से पहले से ही मौजूद थे।

कंगना के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता बीरेंद्र सर्राफ ने पीठ के समक्ष शुक्रवार को कहा कि जब नगर निकाय ने ध्वस्तीकरण का नोटिस दिया तब केवल वाटरप्रूड्क्षफग का कुछ काम चल रहा था और इसकी अनुमति पहले ही उनकी मुवक्किल ने ले रखी थी। सर्राफ ने कहा, इस तथ्य के बावजूद कि वहां कोई अवैध निर्माण नहीं किया गया, बीएमसी ने कहा कि वहां गैर कानूनी तरीके से निर्माण चल रहा है। वहां वह कथित अवैध निर्माण उस समय से पहले से था जब उसका पता चलने की बात की गई।''

चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर ऑपरेशन के लिए हम तैयारः IAF

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ तनाव के बीच भारतीय वायु सेना हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ऐसे में जब यह संदेह है कि चीन और पाकिस्तान दोनों भारत के खिलाफ एक साथ आ सकते हैं, भारतीय वायु सेना ने शुक्रवार को कहा कि वह दोनों मोर्चों पर एक साथ ऑपरेशन करने के लिए तैयार है।

एयरफोर्स ने कहा है कि वो फॉरवर्ड एयरबेस, जहां से पाकिस्तान करीब 50 किमी है और रणनीतिक दौलत बेग ओल्डी लगभग 80 किलोमीटर है, वहां लड़ाकू विमान, ट्रांसपोर्ट एयरक्रॉफ्ट और हेलीकॉप्टर रात और दिन दोनों समय उड़ान भर रहे हैं।

शुक्रवार को भारतीय वायु सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और चीन सीमा के पास फॉरवर्ड एयर बेस पर C-130J सुपर हरक्यूलिस विमानों को उड़ाया। वायुसेना के एक अधिकारी ने कहा है कि भारतीय वायु सेना पूरी तरह से प्रशिक्षित है और दोनों मोर्चों पर दिनरात ऑपरेशन करने के लिए तैयार है। परिवहन विमान एयरबेस के पास और पूर्वी लद्दाख के डीबीओ और अन्य क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थित ठिकानों पर सैनिकों, राशन और गोलाबारूद के साथ लगातार उड़ान भर रहे हैं।

पाकिस्तान के और स्कार्दू एयरबेस से खतरे के संभावना के बारे में पूछे जाने पर फ्लाइट लेफ्टिनेंट रैंक के पायलट ने कहा है कि आधुनिक प्लेटफॉर्म होने की वजह से एयर फोर्स पूरी तरह से प्रशिक्षित है और हम दोनों मोर्चों पर ऑपरेशन करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। बता दें ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि जून में गिलगित बल्टिस्तान क्षेत्र में स्कार्दू में एक चीनी रिफ्यूलर विमान उतरा था।

यह एयरबेस पाकिस्तान के कंट्रोल में हैं ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि चीन और पाक एक साथ भारत के खिलाफ आ सकते हैं।

किसानों, खेतिहर मजदूरों को बर्बाद करने का षड्यंत्र कर रही है मोदी सरकारः सुरजेवाला

(विशेष संवाददाता)

जयपुर, 25 सितंबर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि केंद्र सरकार कृषि सुधार विधेयकों के जरिए खेत और खलिहानों को मुट्ठीभर पूंजीपतियों को बेचने का षड्यंत्र कर रही है।

सुरजेवाला ने आज यहां पत्रकारों से कहा कि मोदी सरकार ने तीन काले कानूनों के जरिए किसानों, खेतिहर मजदूरों, छोटे दुकानदारों, मंडी मजदूरों, मुनीमों और छोटे कर्मचारियों की आजीविका पर क्रूर और कुत्सित हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इन काले कानूनों के जरिए मोदी सरकार ने किसान और मजदूरों के भविष्य को बर्बाद करने और उनकी बदहाली की गाथा लिख डाली है। यह किसानों के खिलाफ घिनौना षडयंत्र है। इसके खिलाफ देश के 62 करोड़ किसान और खेतिहर मजदूर, 250 से अधिक किसान संगठन धरना प्रदर्शन करके अपना विरोध जता रहे हैं। सुरजेवाला ने कहा कि दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूरे देश को बरगला रहे हैं। अन्नदाता किसान की बात सुनना तो दूर संसद में भी नुमाइंदों की आवाज का गला

घोंटा जा रहा है किसान और मजदूरों को बेरहमी से पीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि संसद में संविधान का गला घोंटा जा रहा है, खेत खलिहान में मजदूरों किसानों की आजीविका का। देश में कोरोना ने तो सीमा पर चीन ने हमला बोल रखा है।

सुरजेवाला ने तीन बिंदुओं पर मोदी पर प्रहार करते हुए कहा कि देश में 1965 में हरित क्रांति की शुरुआत इंदिरा गांधी ने की थी। जिसके तहत 23 फसलों को खरीदने के लिये केंद्र सरकार बाध्य थी। उसी दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू किया गया, जिन्हें सरकार खरीदकर राशन की दुकान के जरिए गरीबों को सस्ती दरों पर मुहैया करायेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इन विधेयकों के जरिए खेत खलिहान पर ही नहीं बल्कि देश के अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग और गरीबों को मिलने वाले सस्ते अनाज पर भी हमला बोला है। सुरजेवाला ने कहा कि तीनों विधेयकों में एमएसपी का जिक्र ही नहीं किया गया है। इन विधेयकों से एमएसपी शब्द ही उड़ा दिया गया है। अगर यह बेईमानी नहीं है तो कानून में एमएसपी की गारंटी क्यों नहीं दे रही सरकार। कानून में एमएसपी देना अनिवार्य क्यों नहीं किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जो कम्पनियां एमएसपी से कम दर पर फसलें खरीदेंगी क्या सरकार उन्हें सजा देगी।

कानून हाथ में लेने का किसी को अधिकार नहींः गहलोत

जयपुर, 25 सितंबर (वेबवार्ता)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के डूंगरपुर में मांगों को लेकर हुए उपद्रव एवं हिंसक प्रदर्शन को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि कानून को अपने हाथ में लेने का किसी को अधिकार नहीं है।

गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि डूंगरपुर में उपद्रव एवं हिंसक प्रदर्शन बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विरोध करने के संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल हो, शांतिपूर्ण प्रदर्शन हों लेकिन कानून को अपने हाथ में लेने का किसी को अधिकार नहीं है।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांति एवं कानूनव्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उधर डूंगरपुर में आज दूसरे दिन भी उदयपुरअहमदाबाद नेशनल हाईवे पर प्रदर्शनकारियों का उपद्रव जारी रहा और उपद्रवियों से हाईवे खाली कराने पहुंची पुलिस पर पहाड़ी से पथराव किया गया। सुबह पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर उपद्रवियों को पीछे खदेड़ा तथा फंसे हुए वाहनों को निकाला गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया हैं और क्षेत्र में इंटरनेट सेवा भी बंद कर दी गई है। स्थिति पर ड्रोन से निगरानी की जा रही है। प्रशासन प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करने का प्रयास कर रहा है। उल्लेखनीय है कि शिक्षक भर्ती के अनारक्षित 1167 पदों को अनुसूचित जन जाति वर्ग से भरने की मांग को लेकर कांकरी डूंगरी पहाड़ी पर गत सात सितंबर से चल रहा अभ्यर्थियों का प्रदर्शन कल उग्र हो गया और कई अभ्यर्थी उदयपुर अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर आ गए। रात में प्रदर्शनकारियों की संख्या एक हजार से अधिक पहुंच गई और उपद्रव करना शुरु कर दिया। हाईवे पर पत्थर डालकर उसे जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस की गाड़ी सहित अन्य सरकारी वाहनों को आग लगा दी। पथराव में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उपाधीक्षक, थानेदार सहित करीब एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

देशभर में कोरोना टेस्ट लैब की संख्या बढ़कर हुई 1,818

नई दिल्ली, 25 सितंबर (वेबवार्ता)। देशभर में कोरोना वायरस कोविड 19 की जांच करने वाले प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़कर 1,818 हो गयी है और इन सभी लैब ने मिलकर पिछले 24 घंटे के दौरान रिकॉर्ड 14,92,409 नमूनों की जांच की है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण की जांच करने वाली प्रयोगशालाओं की सूची में आठ नाम और जुड़ गये हैं। इनमें सरकारी 1,084 और निजी प्रयोगशालाएं 734 हैं। इस समय आरटी पीसीआर आधारित परीक्षण प्रयोगशालाएं 923 (सरकारी 478, निजी 445 हैं जबकि ट्रूनेट आधारित परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या 769 (सरकारीः 572, निजीः 197) और सीबीएनएएटी आधारित परीक्षण प्रयोगशालाएं 126 हैं। इन 1,818 प्रयोगशालाओं ने 24 सितंबर को 14,92,409 नमूनों की जांच की। इस तरह अब तक कुल 6,89,28,440 नमूनों की जांच की जा चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना नमूनों की जांच गति तेज करने से 15 सितंबर के बाद कोरोना पोजिटिविटी दर में काफी बढ़त दर्ज की गयी लेकिन 23 सितंबर के बाद से पोजिटिविटी दर में गिरावट देखी जा रही है, जो एक अच्छा संकेत है। गत 15 सितंबर को देशभर में 10,72,845 कोरोना टेस्ट हुए और उस दिन कोरोना पोजिटिविटी दर 7.81 प्रतिशत रही और 21 सितंबर को 7,31,534 टेस्ट हुए लेकिन पोजिटिविटी दर तेजी से बढ़ती हुई 11.89 प्रतिशत हो गयी। इसके बाद 22 सितंबर को 9,33,185 कोरोना टेस्ट हुए और पोजिटिविटी दर घटकर 8.05 प्रतिशत हो गयी लेकिन 23 सितंबर को 9,53,683 कोरोना टेस्ट होने के बीच पोजिटिविटी दर बढ़कर 8.74 प्रतिशत हो गयी।

राज्यसभा में आचरण को लेकर विपक्षी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई

महासचिव की मेज पर चढ़ना और नियम पुस्तिका फाडने जैसे आचरण गलत

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 25 सितंबर । संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्यसभा में पिछले दिनों हंगामे के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि महासचिव की मेज पर चढना और नियम पुस्तिका फाडने जैसे आचरण को लेकर ऐसे सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत थी।

जोशी ने शुक्रवार को पीटीआई भाषा से कहा कि विपक्ष को आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत उनके सांसद सत्र में अनुपस्थित क्यों थे। उन्होंने कहा कि उन्हें हंगामा करने के बजाए संख्या के दम पर सरकार का सामना करना चाहिए था।

जोशी ने जाहिरा तौर पर नेहरू गांधी परिवार का जिक्र करते हुए कहा कि जिन लोगों का गांधीवादी सिद्धांतों में कोई भरोसा नहीं है, वे नकली गांधी'' नेताओं के आदेश पर प्रदर्शन के लिए गांधी की प्रतिमा के सामने

धरना पर बैठे। राज्यसभा में कृषि संबंधी दो विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान रविवार को काफी हंगामा हुआ था।

विधेयकों को पारित किए जाने के तरीके के विरोध में विपक्षी सांसद आसन के बिल्कुल पास आ गए थे। हंगामा कर रहे सदस्यों ने कागज फाड़ दिए थे, वे मेजों पर चढ़ गए थे, नारेबाजी की थी और उस समय उपसभापति हरिवंश की ओर नियम पुस्तिका फेंकी थी। सदन में अमर्यादित आचरण'' को लेकर विपक्ष के आठ सांसदों को सोमवार को निलंबित कर दिया था। इसके विरोध में इन सांसदों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के निकट रात बिताई थी। जोशी ने कहा, यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में काला दिन और विपक्ष पर धब्बा है।'' उन्होंने कहा कि महासचिव की मेज पर खड़े होना, नियम पुस्तिका फाडना, सभापति के माइक को नुकसान पहुंचाना और मार्शल पर हमला करना, इस तरह के आचरण के लिए इन सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत थी।

जोशी ने हरिवंश के साथ आपत्तिजनक आचरण को लेकर विपक्षी सांसदों की ड्क्षनदा करते हुए कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता से हताश हैं और उन्होंने संतुलन खो दिया है।

उन्होंने राज्यसभा में हाजिरी का जिक्र करते हुए कहा कि कृषि विधेयकों पर उच्च सदन में चर्चा के दौरान कई विपक्षी सांसद अनुपस्थित थे। उन्होंने कहा कि विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान सदन में मौजूद कुल 182 सांसदों में से 110 सांसद राजग के थे।

जोशी ने कहा, हंगामा करने के बजाए, विपक्ष को संख्या के बल पर सरकार का सामना करना चाहिए था।'' उन्होंने कहा, विपक्षी दलों को आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि राहुल गांधी समेत बड़ी संख्या में उनके सांसद सत्र से अनुपस्थित क्यों थे।''

जोशी ने उम्मीद जताई कि लोगों के आशीर्वाद और मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत राजग 2024 तक राज्यसभा में सभी विधेयक पारित कराने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष को स्वस्थ लोकतंत्र की खातिर चर्चा में भाग लेना चाहिए और संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करना चाहिए।